दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर, कोटा, उदयपुर एवं जोधपुर
RNI NO. RAJHIN/2010/35060
कदम बढ़ाएं, सच के साथ

वर्ष : 16 | अंक : 46 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : ₹ 2.00 | जयपुर | गुरुवार, 18 दिसम्बर 2025 | पौष माह, कृष्ण पक्ष चतुर्दशी , संवत्-2082 | भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

राज्यसभा से 'सबका बीमा सबकी रक्षा' विधेयक पारित, लोकसभा से पहले ही मिल चुकी थी मंजूरी

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। राज्यसभा ने बुधवार को 'सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक, 2025' को ध्वनि मत से पारित कर दिया। इस विधेयक में बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा 74प्रतिशत से बढ़ाकर 100प्रतिशत करने सहित कई अहम सुधारों का प्रावधान है। इसका उद्देश्य बीमा उद्योग का आधुनिकीकरण करना और '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को हासिल करना है।

यह विधेयक 16 दिसंबर को लोकसभा में पारित

इससे पहले यह विधेयक 16 दिसंबर को लोकसभा में पारित हो चुका है। इसके तहत बीमा अधिनियम, 1938; भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अधिनियम, 1956; तथा बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) अधिनियम, 1999 में संशोधन किए गए हैं। विधेयक का मकसद कारोबार में सुगमता बढ़ाना, वैश्विक पूंजी आकर्षित करना, पॉलिसीधारकों की सुरक्षा को मजबूत करना और बीमा की पहुंच को व्यापक बनाना है।

सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को मजबूत करने के लिए लगातार उठा रही है कदम

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विधेयक का बचाव करते हुए कहा कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को मजबूत करने के लिए लगातार कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि तीन गैर-जीवन सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों में 17,450 करोड़ रुपये का निवेश किया गया, जिसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष एलआईसी, जीआईसी और कृषि बीमा कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसीआईएल) ने रिकॉर्ड मुनाफा दर्ज किया।

एफडीआई सीमा को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया गया

उन्होंने बताया कि एफडीआई सीमा को चरणबद्ध तरीके से 26प्रतिशत से 49प्रतिशत और फिर 74प्रतिशत तक बढ़ाने से विदेशी पुनर्बीमा कंपनियों की शाखाएं खुलीं और घरेलू क्षमता मजबूत हुई। वर्ष 2019 में बीमा मध्यस्थों के लिए 100प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने से सलाहकारी सेवाओं में भी सुधार हुआ।

बीमा कंपनियों की संख्या 53 से बढ़कर 74 हुई

सीतारमण ने 2014 के बाद बीमा क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि बीमा कंपनियों की संख्या 53 से बढ़कर 74 हो गई है। बीमा पैठ 3 .3त्न से बढ़कर लगभग 3 .8त्न हो गई है, प्रति व्यक्ति बीमा घनत्व 55 डॉलर से बढ़कर 97 डॉलर पहुंच गया है, कुल प्रीमियम 4 .15 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 11 .93 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जबकि प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां तीन गुना बढ़कर 74 .43 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई हैं।

स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी को 18प्रतिशत से घटाकर शून्य किया गया

वित्त मंत्री ने 56वीं जीएसटी परिषद के उस फैसले की सराहना की, जिसमें व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी को 18त्न से घटाकर शून्य कर दिया गया, जिससे बीमा अधिक किफायती बना।

'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' अभियान के माध्यम से 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की लावारिस राशि लोगों को लौटाई गई

उन्होंने 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि जिला स्तर पर आयोजित शिविरों के माध्यम से 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की लावारिस राशि लोगों को लौटाई गई है। साथ ही, 'बीमा भरोसा' पोर्टल दावों के निपटारे में सहायक सिद्ध हो रहा है।

इंडिगो एयरलाइंस की चेन्नई जाने वाली फ्लाइट कैंसिल

पैसेंजर बोले- एयरपोर्ट आने के बाद मिली रद्द होने की जानकारी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली इंडिगो एयरलाइंस की एक और फ्लाइट के अचानक रद्द होने से पैसेंजर्स को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बुधवार को जयपुर से चेन्नई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6श्व - 5362 को ऑपरेशनल कारणों का हवाला देते हुए आखिरी वक्त पर कैंसिल कर दिया गया। यह फ्लाइट सुबह 9 बजकर 55 मिनट पर जयपुर से रवाना होकर दोपहर 12 बजकर 35 मिनट पर चेन्नई पहुंचने वाली थी। फ्लाइट कैंसिल होने की सूचना मिलने के बाद एयरपोर्ट पर मौजूद पैसेंजर्स काफी परेशान हो गए। इनमें कई पैसेंजर्स बिजनेस मीटिंग, इलाज और पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए चेन्नई जाने वाले थे। लेकिन फ्लाइट कैंसिल होने से उनका पूरा शेड्यूल बिगड़ गया। पैसेंजर्स ने बताया कि एयरपोर्ट पहुंचने के बाद फ्लाइट कैंसिल होने की जानकारी दी गई, जिससे उन्हें काफी असुविधा हुई है।

मनाली-लाहौल में बर्फ देखने उमड़े टूरिस्ट

महिला पर्यटक बोलीं- ऊपर से स्नो लाकर फ्राड कर रहे; डेढ़ किमी लंबा जाम लगा

बढ़ता राजस्थान

मनाली। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू-मनाली और लाहौल-स्पीति के पर्यटन स्थलों पर इन दिनों बर्फ देखने के लिए देशभर से पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। इससे पर्यटन स्थलों पर एक बार फिर रौनक लौट आई है। बर्फ के बीच पर्यटक मौज-मस्ती करते, फोटोशूट कराते, स्कीइंग और स्नो स्कूटर का जमकर आनंद उठा रहे हैं। हालांकि, इसके चलते मनाली और लाहौल के कई इलाकों में लंबा जाम देखने को मिला। दूसरी ओर, लाहौल-स्पीति के ऊंचे पहाड़ों को छोड़ दें तो अभी निचले पर्यटन क्षेत्रों में बर्फबारी नहीं हुई। बावजूद इसके, बर्फ देखने की चाह में पर्यटक रोहतांग पास, ग्रांफू, कोकसर और शिंकुला दर्रा का रुख कर रहे हैं। लाहौल-स्पीति के ग्रांफू में दर्जनों वाहन ट्रैफिक जाम में फंसे रहने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, मंगलवार और बुधवार को रोहतांग दर्रा सड़क की मरम्मत के चलते बंद रखा गया है। इस वजह से अधिकांश टूरिस्ट ग्रांफू की ओर जा रहे हैं, जिससे डेढ़ किमी लंबा जाम लग गया।

ओमान पहुंचे पीएम मोदी, बोले- 'भारत के साथ पक्की दोस्ती और गहरे ऐतिहासिक संबंधों वाली भूमि'

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर ओमान पहुंच गए हैं। मस्कट अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उनका स्वागत ओमान के रक्षा मामलों के उप प्रधानमंत्री सैयद शिहाब बिन तारिक अल सईद ने किया। इस अवसर पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने को लेकर भारतीय समुदाय में जबरदस्त उत्साह

ओमान से आ रही तस्वीरों और वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने को लेकर भारतीय समुदाय में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। होटल परिसर में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की लंबी कतारें नजर आईं। लोगों के हाथों में भारतीय झंडे थे और 'भारत माता की जय' के नारे गूंज रहे थे।

भारत के साथ पक्की दोस्ती और गहरे ऐतिहासिक संबंधों वाली जगह

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मस्कट को लेकर अपने भाव साझा करते हुए लिखा, मस्कट, ओमान में लैंड किया। यह भारत के साथ पक्की दोस्ती और गहरे ऐतिहासिक संबंधों वाली जगह है। यह दौरा सहयोग के नए रास्ते तलाशने और हमारी साझेदारी को नई गति देने का अवसर प्रदान करता है।

मोदी की तीन देशों की यात्रा का तीसरा और अंतिम चरण

यह प्रधानमंत्री मोदी की तीन देशों की यात्रा का तीसरा और अंतिम चरण है। वे 17 और 18 दिसंबर को ओमान में प्रवास करेंगे। यह यात्रा भारत और ओमान के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हो रही है। दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ओमान में रह रहे भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। यह दुनिया की 18वीं संसद है, जहां उन्होंने भाषण दिया।

राष्ट्रपति भवन में 'परमवीर दीर्घा' का उद्घाटन

पीएम मोदी बोले- यह नवचेतना का प्रतीक

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में 'परमवीर दीर्घा' का उद्घाटन किया। इस दीर्घा में परमवीर चक्र से सम्मानित सभी 21 वीरों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी विशेष प्रतिक्रिया दी।

परमवीर दीर्घा में प्रदर्शित देश के अदम्य वीरों के ये चित्र हमारे राष्ट्र रक्षकों को भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि परमवीर दीर्घा में प्रदर्शित देश के अदम्य वीरों के ये चित्र हमारे राष्ट्र रक्षकों को भावभीनी श्रद्धांजलि हैं। उन्होंने कहा कि एक लंबे कालखंड तक राष्ट्रपति भवन की गैलरी में ब्रिटिश काल के सैनिकों के चित्र लगे रहे, लेकिन अब उनके स्थान पर देश के परमवीर चक्र विजेताओं के चित्र लगाए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी कहा कि राष्ट्रपति भवन में परमवीर दीर्घा का निर्माण गुलामी की मानसिकता से बाहर निकलकर भारत को नवचेतना से जोड़ने के अभियान का एक उत्तम उदाहरण है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'परमवीर दीर्घा' के उद्घाटन की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, हे भारत के परमवीर, हे नमन तुम्हें, हे प्रखर वीर। ये राष्ट्र कृतज्ञ बलिदानों पर, भारत मां के सम्मानों पर। जिन वीरों ने अपने सर्वोच्च बलिदान से मातृभूमि की रक्षा की और भारत की एकता एवं अखंडता के लिए अपना जीवन दिया, उनके प्रति देश ने एक और रूप में अपनी कृतज्ञता अर्पित की है। दो परमवीर चक्र विजेताओं तथा अन्य विजेताओं के परिजनों की गरिमामयी उपस्थिति में इस दीर्घा को राष्ट्र को समर्पित किया जाना और भी विशेष है। मोदी ने लिखा, एक लंबे कालखंड तक राष्ट्रपति भवन की गैलरी में ब्रिटिश काल के सैनिकों के चित्र लगे थे। अब उनके स्थान पर देश के परमवीर चक्र विजेताओं के चित्र लगाए गए हैं।

भारत के आर्थिक आंकड़े मजबूत, महंगाई पर नियंत्रण से ब्याज दरें कम रहने की संभावना : आरबीआई

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा का कहना है कि आरबीआई के अनुमानों के आधार पर प्रमुख नीतिगत ब्याज दरें 'लंबे समय तक' कम रह सकती हैं, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है और महंगाई काफी हद तक नियंत्रण में है। यह जानकारी फाइनेंशियल टाइम्स (एफटी) की एक रिपोर्ट में दी गई है।

देश की आर्थिक वृद्धि आरबीआई के अनुमान से भी अधिक

मल्होत्रा ने कहा कि यदि भारत के यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर हो जाते हैं, तो देश की आर्थिक वृद्धि आरबीआई के अनुमान से भी अधिक हो सकती है। एफटी की रिपोर्ट में आरबीआई गवर्नर के हवाले से कहा गया है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का प्रभाव लगभग आधा प्रतिशत तक हो सकता है। इसका अर्थ है कि देश की विकास दर में करीब 0 .5त्न की अतिरिक्त बढ़ोतरी संभव है।

विकास दर में वृद्धि होने की संभावना

उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय बैंक ने यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते के संभावित प्रभाव का इतनी गहराई से अध्ययन नहीं किया है, लेकिन इससे भी विकास दर में वृद्धि होने की संभावना है। कुछ अर्थशास्त्रियों द्वारा भारत के आर्थिक आंकड़ों की गुणवत्ता पर उठाए गए सवालों पर मल्होत्रा ने कहा, कुछ आंकड़ों में सुधार की गुंजाइश हो सकती है, लेकिन मेरा मानना है कि ये आंकड़े कुल मिलाकर मजबूत और भरोसेमंद हैं।

विधायक कोष से विकास के नाम पर कमीशन का खेल

बढ़ता राजस्थान

सिरोही (नि.स.)। विधायक से विकास के नाम पर कमीशन के खेल का आरोप लगाते हुए भाजपा ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप किए जाने की मांग रखी है। मामला रेवदर विधानसभा क्षेत्र से जुड़ा है। यहां से कांग्रेस विधायक मोतीराम कोली की ओर से विधायक कोष से जारी स्वीकृतियों को लेकर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी रोहित खत्री ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने विधायक कोष से रेवदर व आबूरोड ब्लॉक में विभिन्न चिकित्सा केन्द्रों पर बेडसीट, कम्बल व गद्दे खरीदने के लिए 70 लाख रुपए अनुशंसा मामले में खरीद की मात्रा व गुणवत्ता को लेकर उच्चस्तरीय जांच करने, भुगतान रोकने व विधायक कोष को फ्रीज किए जाने की मांग की।

भाजपा ने लगाया आरोप, मुख्यमंत्री से जांच की मांग

इस तरह चली खरीद की फाइल

उन्होंने बताया कि कार्यकारी संस्था चिकित्सा विभाग को रखा गया है। इसके तहत सीएमएचओ डॉ. दिनेश खराड़ी ने रेवदर ब्लॉक में आठ चिकित्सा केन्द्रों के लिए 45लाख रुपए के 305 कम्बल, 381 बेडसीट जिसमें कुल 2667 बेडसीट एवं आबूरोड ब्लॉक में चार चिकित्सा केन्द्रों के लिए 25 लाख रुपए के 265 कम्बल व 299 बेडसीट कुल 2093 बेडसीट आदि वितरण कार्य क्रय करने की आवश्यकता बताई। जिला परिषद् की ओर से प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति जारी की गई। इसके बाद सीएमएचओ ने 70 लाख रूपए की बेडसीट, कम्बल आदि खरीद की।

चार साल पहले ही खरीद हुई थी

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ने पत्र में बताया कि वर्ष 2021 में भी तत्कालीन बीसीएमओ की ओर से खादी संस्था से विधायक कोष से 20 लाख रुपए से विधानसभा क्षेत्र रेवदर-आबूरोड में चिकित्सा केन्द्रों के लिए बेडसीट व कम्बल आदि खरीद कर उपलब्ध करवाए गए थे। ऐसे में इन चिकित्सा संस्थानों के लिए ही वापस बेडसीट व कम्बल आदि 70 लाख रुपए के उपलब्ध करवाए गए है, जो जांच का विषय है।

सरकार की छवि धूमिल हो रही है

मीडिया प्रभारी ने आरोप लगाते हुए बताया कि विधायक कोष से अनावश्यक सामग्री खरीदकर कमीशन का खेल खेला जा रहा है। सिरोही जिले में भी इसी प्रकार खरीद की गई है, जिससे भाजपा सरकार की छवि धूमिल हो रही है। बताया कि सरकार एक ओर भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस पर कार्य कर रही है वही दूसरी ओर कमीशन के खेल चल रहे हैं। विधायक की ओर से रेवदर ब्लॉक में विद्यार्थियों के लिए 30 लाख रुपए की दरी की भी अनुशंषा की गई है।

तोड़ी सड़कों को तत्काल प्रभाव से दुरुस्त करने के निर्देश

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक

बढ़ता राजस्थान

सिरोही(नि.स.)। जल जीवन मिशन के तहत जिला जल एवं स्वच्छता समिति की मासिक बैठक जिला कलक्टर अल्पा चौधरी की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने कार्यों की प्रगति बढ़ाने व शेष रहे जल संबध समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने तथा फील्ड में अभियंताओं को गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने पाइप लाइन डालने के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों को तुरन्त प्रभाव से दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि जिले के 470 में से 330 गांवों में अन्य वृहद परियोजना, 100 वृहद परियोजना, 36 गांव नॉन फिजिबल एवं चार गांव अन्य योजना से लाभान्वित है। जिले कुल 187110 जल संबंध है, जिनमे से वर्तमान मे 108845 जल संबंध जारी किए जा चुके हैं।

48 वर्षो बाद आवासीय पट्टा मिलने पर जताया राज्य सरकार का आभार

बढ़ता राजस्थान

अनूपगढ़ (डी एल सारस्वत)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले में आयोजित हो रहे फॉलोअप शिविर ग्रामीण समस्या समाधान शिविर 2025 में हाथों-हाथ आमजन की समस्याओं का समाधान हो रहा है। साथ ही उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मौके पर ही लाभ मिल रहा है। राहत मिलने पर लाभार्थियों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री और राजस्थान सरकार का आभार जताया जा रहा है। रायसिंहनगर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत संगराना 71 आरबी में ग्रामीण समस्या समाधान शिविर आयोजित हुआ। आयोजित शिविर में सरदूल सिंह पुत्र सुरजीत सिंह निवासी 23 आरबी पहुंचे। उन्होंने बताया कि वे 48 वर्षों से अपने घर का मालिकाना आवासीय पट्टा नहीं होने की वजह से वे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे थे, लेकिन ग्रामीण समस्या समाधान शिविर में उन्हें आवासीय पट्टा जारी किया गया। अब वे योजनाओं से वंचित नहीं रहेंगे। प्रार्थी द्वारा पट्टा पाकर खुशी का ठिकाना नहीं रहा। प्रार्थी ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार गुरजंन्ट सिंह पुत्र श्री मुख्त्यार सिंह निवासी 77 आरबी ने शिविर के दौरान आवासीय पट्टे के लिये आवेदन किया। आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के पश्चात शिविर प्रभारी द्वारा आवेदक को पट्टा दिया गया। पट्टा प्राप्त करने के पश्चात लाभार्थी के परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

जनविश्वास हमारी पूंजी है, अंतिम व्यक्ति का उत्थान हमारा ध्येय है- जवाहर सिंह बेढम

गृह राज्य मंत्री बेढ़म के नेतृत्व में गांवों में पहुंची विकास रथ यात्रा, गंगावक और रसिया में उमड़ा जनसैलाब

बढ़ता राजस्थान

डीग (नि.स.)। राज्य सरकार के सफलतम दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प को लेकर निकाली जा रही विकास रथ यात्रा बुधवार को गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम के नेतृत्व में डीग जिले के गंगावक, रसिया और दु दावल ग्राम पंचायतो मे पहुँची। सभी जगह ग्राम वासियों ने रथ यात्रा में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म का ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों और पुष्प वर्षा के साथ गर्म जोशी से स्वागत किया।

हर वर्ग का उत्थान हमारी प्राथमिकता- बेढ़म

रथ यात्रा के दौरान ग्राम पंचायतो में आयोजित जनसभाओ को संबोधित करते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि यह यात्रा केवल उपलब्धियों का बखान नहीं, बल्कि जनता के प्रति सरकार की जवाबदेही का प्रतीक है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार हर गाँव, हर गरीब और हर वर्ग के उत्थान के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। पिछले दो वर्षों में सरकार ने जो फैसले लिए हैं, उन्होंने प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। हमारा लक्ष्य पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ

पहुँचाना है। गृह राज्य मंत्री बेढम ने प्रोटोकॉल से हटकर ग्रामीणों के बीच बैठकर उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया और युवाओं को सरकार की रोजगारपरक नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनविश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है और इसी विश्वास के दम पर हम विकसित राजस्थान के सपने को साकार करेंगे।

इस दौरान एलईडी रथ के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा किए गए जनहितकारी कार्यों का प्रदर्शन किया गया। गृह राज्य मंत्री बेढम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मौके पर ही जनसमस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें।

इन कार्यक्रमो में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में महिलाए और ग्रामीण उपस्थित रहे।

महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल का 51वाँ वार्षिकोत्सव सम्पन्न

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल, सिटी पैलेस, उदयपुर का भव्य वार्षिकोत्सव 16 दिसंबर को डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी के सम्मानित संरक्षण में ऐतिहासिक माणक चैक में उत्साह, उल्लास और सांस्कृतिक समृद्धि के साथ गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। यह उत्सव न केवल प्रतिभा प्रदर्शन का मंच बना वरन् शैक्षिक परंपरा का भी सशक्त प्रतिफल प्रतिबिंबित हुआ। समारोह का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि सुश्री प्रज्ञा केवलरामानी संभागीय आयुक्त, उदयपुर संभाग और निवृत्ति कुमारी मेवाड़ द्वारा दीप प्रज्वलन कर महाराणा भगवत सिंह मेवाड़ और महाराणा अरविंद सिंह मेवाड़ के छायाचित्रों पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर प्राणेश्वरी कुमारी मेवाड़ एवं हरितराज सिंह मेवाड़ की भी उपस्थिति रही। विद्यालय के मानद निदेशक सतीश कुमार शर्मा ने उपस्थित सभी का हार्दिक अभिनंदन किया तथा गणमान्य अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट किए। उत्सव की शुरुआत सजीव भाव-भंगिमाओं और कोमल नृत्य -गतियों से सुसज्जित गणेश वंदना की पावन प्रस्तुति से हुई जिसने वातावरण में आध्यात्मिक भाव का संचार कर दिया। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ (चेयरमैन एवं मैनेजिंग ट्रस्टी, एम एम सी एफ) ने ट्रस्ट के शैक्षिक संकल्प पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रबंधन, शिक्षकवृंद एवं कर्मचारियों के समर्पण एवं अथक प्रयासों से यह संस्थान निरंतर ऊँचाइयों को छू रहा है। साथ ही अभिभावकों का सहयोग और विश्वास भी हमारी सबसे बड़ी पूँजी है। समारोह के समापन पर मानद निदेशक सतीश कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंटकर उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही विद्यालय परिवार, अभिभावकों तथा विद्यार्थियों के प्रति भी धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी विद्यालय प्रगति की दिशा को और सुदृढ़ बनाने की बात कही। अंत में वंदे मातरम् के सामूहिक गान द्वारा वार्षिकोत्सव का परिष्कृत समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन छात्रा परिधि सेठी, अधीरा मेहता, दिदिता गुर्जरगौड़ और गौरिका त्रिवेदी ने किया।

पीएम श्री विद्यालय प्रागपुरा में बिरसा मुंडा के विचारों से विद्यार्थियों को जोड़ने की प्रेरक पहल

बढ़ता राजस्थान

पावटा (नि.स.)। पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय प्रागपुरा में बुधवार को उस समय प्रेरणादायी वातावरण देखने को मिला, जब एडवोकेट देवांश सिंह ने प्रधानाचार्य विपिन कुमार मामोडिया से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर एडवोकेट देवांश सिंह ने विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना, स्वाभिमान एवं इतिहासबोध को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से महान आदिवासी नायक भगवान बिरसा मुंडा का छायाचित्र प्रधानाचार्य को भेंट किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विपिन कुमार मामोडिया ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल आदिवासी समाज के नायक ही नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के लिए संघर्ष, साहस और स्वराज के प्रतीक हैं। उनके जीवन से विद्यार्थियों को अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने, प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीने तथा राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध की प्रेरणा मिलती है। विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समानता, न्याय और मानवता के मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता राजेश कुमार हाडिया, पत्रकार लक्ष्मी नारायण कुमावत, व्याख्याता धोलाराम यादव, व्याख्याता रामजीलाल गुर्जर, मुकेश कुमार यादव, अरुण कुमार मीणा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने इस सार्थक पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को महापुरुषों के आदर्शों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फतेहसिंहवाला में नोटबुक्स व पेन वितरण कार्यक्रम का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

पावटा (नि.स.)। वीर तेजाजी नगर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फतेहसिंहवाला में बुधवार को विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रोत्साहन हेतु नोटबुक्स एवं पेन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भामाशाह एवं शिक्षक नितेश कुमार द्वारा विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया, जिससे बच्चों में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम सेवानिवृत्त प्राचार्य शंभू दयाल गढ़वाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जितेंद्र कुमार शर्मा कार्यवाहक प्राचार्य महात्मा गांधी

राजकीय विद्यालय सितोपसिंहवाली एवं मुकेश कुमार यादव अध्यापक पांचूडाला उपस्थित रहे। कार्यवाहक प्राचार्य मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि नितेश कुमार सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर रहते हैं। वे नैतिक एवं सामाजिक शिक्षा के तहत आयोजित विभिन्न शिविरों में भी विद्यार्थियों को अपने खर्चे पर ले जाकर उनकी सहभागिता सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि अभावग्रस्त विद्यार्थियों को नोटबुक्स, पेन, पेंसिल, रबर जैसी अधिगम सहायक सामग्री का वितरण किए जाने से बच्चों का शिक्षा के प्रति लगाव बढ़ता है और वे पूरी लगन से अध्ययन करते हैं। इस अवसर पर नितेश कुमार द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी को तीन-तीन नोटबुक्स तथा एक-एक पेन का वितरण किया गया। विद्यार्थियों ने इस पहल के लिए भामाशाह का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मंजू मीणा, प्रहलाद लाल यादव, रोहिताश कुमार मीणा, भूप सिंह यादव, सवाई राम मेघवाल, सुनीता मील, कैलाश चंद जाट, भागीरथ मल जाट सहित विद्यालय स्टाफ एवं अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने इस अनुकरणीय पहल की सराहना की।

महात्मा गांधी विद्यालय में जूते ,मोजे, टाई, बेल्ट और कपड़े वितरीत

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। लाइफ प्रोगेसिव सोसायटी और सहार चेरिटेबल फाउंडेशन की ओर से हिरणमगरी से.11 स्थित महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय के 80 बच्चों को जूते ,मोजे,टाई, बेल्ट और कपड़े वितरण किए गए। शिरीन गारमेंट्स के याकूब अली का भी सहयोग रहा। सचिव फातिमा अगवानी ने बताया कि जनवरी 2026 को समाज के सभी कार्य शुरू किए जाएंगे, और माह रमजान 2026 के जरूरतमंदों परिवार के लिए सोसाइटी के नियमानुसार 15 जनवरी 2026 से फर्म भरे जाएंगे। अन्य कार्यक्रम और सभी प्रकार के प्रशिक्षण और रोजगार के कार्यक्रम शुरू किये जायेंगे। अध्यक्ष डॉ. खलील अगवानी ने बताया कि सर्व धर्म विवाह सम्मेलन की घोषणा जल्दी की जाएगी। डॉ अगवानी ने आमजन से आग्रह किया कि जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री और शिक्षा के लिए कोई जकात, इमदत या सहयोग करने हेतु आगे आयें।

सचिव सुश्री फातिमा अगवानी ने बताया कि सोसायटी द्वारा आगामी जनवरी माह में उन सभी कॉलेज एवं स्कूल से मूल्यांकन रिपोर्ट मांगी जाएगी जिन छात्रों-छात्रों की फीस जमा करायी गई। सचिव सुश्री फातिमा अगवानी ने बताया स्कूल जरुरत पड़ने पर कंप्यूटर उपलबध कराया जाएगा, एवं सोसायटी की तरफ से उर्दू शिक्षक की नियुक्ति के सिफारिश की जाएगी।

आबकारी ने हथकढ़ पर मारा छापा, सात भट्टियां तोड़ी

बढ़ता राजस्थान

सिरोही (नि.स.)। आबकारी महकमे ने हथकढ़ पर धावा बोलते हुए आदिवासी क्षेत्र में निरोधात्मक कार्रवाई की है। इसके तहत सात हजार लीटर वॉश नष्ट की तथा सात भट्टियां तोड़ी। सहायक आबकारी अधिकारी सैयद बशारत अली के नेतृत्व में सिरोही के समीप मोरस व कोजरा तथा आबूरोड क्षेत्र के भैंसासिंह व उपलागढ़ के निचली बोर में संयुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल पांच अभियोग दर्ज कर 33 लीटर हथकढ़ जब्त की गई। कुल 7000 लीटर वॉश व भट्टियां नष्ट की गई। मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया गया है।

ज्वेलरी के लिए आबूरोड से वैन चोरी, वारदात के बाद छोड़ गए

- पुलिस के हाथ लगे अहम सुराग, चोरी की निकली वैन

- आबूरोड से चुराया वाहन वारदात के बाद भूजेला में छोड़ा

बढ़ता राजस्थान

सिरोही (नि.स.)। शहर के सदर बाजार में हुई चोरी की वारदात के मामले में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे हैं। वारदात में प्रयुक्त वैन आबूरोड इलाके में लावारिस हालत में पड़ी मिली है, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी वारदात को अंजाम देने के लिए वैन चुराकर लाए थे। आबूरोड से चुराई वैन लेकर सिरोही आना और वारदात को अंजाम देकर वापस आबूरोड के समीप ही वैन छोड़कर भाग गए। पुलिस क्लू के आधार पर आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है। ज्ञातव्य है कि व्यापारी कमलेशकुमार पुत्र माणकचंद सोनी ने रिपोर्ट देकर बताया कि गत 15 दिसम्बर की रात को वह दुकान बढ़ाकर घर गया था। रात को चोर दुकान से भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात व नकदी चुरा ले गए।

कुछ घंटे पहले ही चुराई थी वैन

सूत्र बताते हैं कि वारदात से कुछ घंटों पहले ही आबूरोड से वैन चोरी हुई थी। संभवतया वारदात के लिए निकलते समय आरोपियों ने वाहन का जुगाड़ किया, ताकि पकड़े जाने की सूरत में वाहन छोड़कर भाग सके। वहीं, वारदात के बाद आबूरोड की ओर ही भागे तथा भूजेला के समीप वैन छोड़ दी।

शातिर चोरों की पुलिस को चुनौती

वारदात में शामिल आरोपियों की शातिरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वे चोरी के लिए भी चोरी का वाहन लेकर आए। वैन चोरी के बाद आबूरोड से सिरोही पहुंचने और ज्वेलरी दुकान में चोरी के बाद वापस भूजेला पहुंचने में महज कुछ ही घंटे लगे। प्लानिंग के तहत अंजाम दी गई यह वारदात पुलिस के लिए भी चुनौतीपूर्ण है।

फिल्म देखने गए थे हाथ साफ कर गए

बताया जा रहा है कि ज्वेलरी व्यापारी सोमवार रात अपने मित्रों के साथ धुरंधर फिल्म देखने गए थे। उनका कहना रहा कि फिल्म से घर आते समय वे रात को सदर बाजार से ही निकले थे। इस दौरान यहां कोई नहीं था। वहीं, दुकान के कैमरे भी चार बजे के लगभग बंद होना बताया है। यानि उसी समय चोरों ने दुकान के कैमरों से छेड़छाड़ की होगी।

2 सालः नव उत्थान-नई पहचान विकास प्रदर्शनी

विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने दूसरे दिन किया प्रदर्शनी का अवलोकन

बढ़ता राजस्थान

अनूपगढ़ (डी एल सारस्वत)। वर्तमान सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर ''2 सालः नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान'' कार्यक्रमों की श्रृंखला में सूचना केन्द्र में आयोजित प्रदर्शनी का बुधवार को विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अवलोकन किया। अनुपम धींगड़ा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय नम्बर 4 की छात्राओं ने शिक्षिकाओं के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसी प्रकार महात्मा गांधी विद्यालय नम्बर 2 पुरानी आबादी की छात्राओं ने प्रदर्शनी को उत्साहपूर्वक देखा। छात्राओं ने विभिन्न योजनाओं की ज्ञानवर्धक जानकारियों को अपने रजिस्टर में नोट किया। प्रदर्शनी में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा

संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों व मेगा परियोजनाओं की जानकारी चित्रों के माध्यम से दिखाई गई है। छात्राओं को वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक श्रीमती संदीप कौर, वरिष्ठ अध्यापक सविता तनेजा, व्याख्याता श्री विकासदीप चमड़िया, व्यावसायिक शिक्षक श्रीमती पूनम बिश्नाई ने प्रदर्शनी से संबंधित जानकारियां दी।

मुख्य सचिव ने की विकास रथ यात्रा की प्रगति की समीक्षा, विकास कार्यों एवं कल्याणकारी योजनाओं को सोशल मीडिया पर प्रचारित करने के दिए निर्देश

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने प्रदेश के सभी विधान सभा क्षेत्रों में चल रही विकास रथ यात्रा की गतिविधियों, जनसमस्याओं के समाधान हेतु आयोजित रात्रि चौपालों और विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। सभी जिला कलेक्टरों को वी.सी के माध्यम से मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि हर जिले में राज्य सरकार के दो वर्षों की उपलब्धियों एवं कल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को इन गतिविधियों की बेहतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। मुख्य सचिव बुधवार को शासन सचिवालय में राज्य सरकार के दो वर्ष की उपलब्धियों के प्रचार—प्रसार के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में चल रही विकास रथ यात्रा के संबंध में विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। मुख्य सचिव श्री वी.श्रीनिवास ने प्रत्येक जिले में हुए व निर्माणाधीन विकास कार्यों को अधिक से अधिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शेयर करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के जिला कार्यालयों के माध्यम से इन कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा संबंधित डेटा को नियमित अपडेट करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी जिलों में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों, विकास रथ यात्रा की गतिविधियों सहित अन्य कार्यक्रमों को सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो सहित पोस्ट किया जाए । इससे राज्य सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में सहायता मिलेगी। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने 18 से 25 दिसम्बर तक प्रदेश में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा भी की। उन्होंने 18 दिसम्बर को पर्यावरण संरक्षण अभियान, 19 दिसम्बर को धौलपुर जिले में महिला सम्मेलन, 20 दिसम्बर को कर्टेन रेजर आर्मी डे परेड, 21 दिसम्बर रन फॉर विकसित राजस्थान, 22 दिसम्बर को महिला सशक्तीकरण सम्मेलन व जनसभा, 23 दिसम्बर को मेड़ता नागौर में किसान सम्मेलन, 24 दिसम्बर को पर्यटन कान्कलेव तथा 25 दिसम्बर को राज्य स्तरीय सुशासन दिवस कार्यक्रम की बेहतर तैयारी, अधिकतम जनभागीदारी व प्रभावी मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिये। बैठक में श्री प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग, श्री राजीव कुमार शर्मा महानिदेशक पुलिस, श्री भवानी सिंह देथा, प्रमुख शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्री नवीन जैन, शासन सचिव सामान्य प्रशासन, डॉ. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, श्री संदेश नायक, आयुक्त सूचना एवं जनसंपर्क वि?भाग एवं विशिष्ठ सचिव, मुख्यमंत्री सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एसडीएम ने ली राजनैतिक दलों की बैठक

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में विगत 27 अक्टुबर को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम घोषित किया गया था। जिसके अन्तर्गत 04 नवम्बर से 11 दिसम्बर तक गणना चरण के दौरान सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण का कार्य सम्पन्न किया गया है। गहन पुनरीक्षण कार्य प्रारम्भ होने से पूर्व विधानसभा क्षेत्र कोटपूतली में कुल मतदाताओं की संख्या 238664 थी, जिनको गणना प्रपत्र वितरित किये गये थे। गणना चरण के दौरान कुल 225704 मतदाताओं द्वारा अपने गणना प्रपत्र भरकर जमा करवा दिये गये है। जिनका नाम 16 दिसम्बर को जारी प्रारूप मतदाता सूची में सम्मिलित कर सूचियां प्रकाषित कर दी गई। गणना चरण के दौरान 02 से 06 दिसम्बर तक विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक मतदान केन्द्र पर बीएलओ द्वारा राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेण्ट के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसमें बूथ क्षेत्र में अप्राप्त गणना प्रपत्रों की सूची मय उनके कारण बीएलओ द्वारा बूथ लेवल एजेण्ट को उपलब्ध कराई गई। जिससे वे इस सूची का अवलोकन कर गणना प्रपत्रों की अप्राप्ति का कारण जान सकें तथा इस संबंध में यदि आवष्यक हो तो सुधारात्मक कार्यवाही कर सकें। बैठक में पूर्व चैयरमैन एड. महेन्द्र कुमार सैनी, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अरूण कुमार सैनी, उत्तर मंडल अध्यक्ष एड. रमेश रावत, आरएलपी से देशराज पायला, बसपा से आदित्य दौचाणिया समेत अन्य मौजूद रहे। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एसडीएम रामावतार मीणा ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित कर प्रारूप मतदाता सूची की दो प्रतियाँ (एक हार्ड एवं एक सॉफ्ट कॉपी) मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के उपस्थित प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। उन्हें प्रारूप मतदाता सूची पर दावे आपत्तियों तथा नव मतदाता पंजीकरण हेतु फॉर्म 6 मय घोषणा पत्र प्रस्तुत करने के संबंध में भी जानकारी उपलब्ध कराई गई। घोषणा पत्र द्वारा आवेदक स्वयं अथवा उनके माता/पिता के नाम की गत गहन पुनरीक्षण से मैपिंग की जाती है। आयोग द्वारा प्रसारित कार्यक्रम के अंतर्गत 16 दिसम्बर से 15 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त किये जायेंगे। इस अवधि में प्रारूप मतदाता सूची में सम्मिलित मतदाताओं के संबंध में अथवा अन्यथा भी मतदाता सूची के संबंध में दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकती है।

हर्षोल्लास के साथ पेन्शनधारियों ने पेन्शन डे मनाया

बढ़ता राजस्थान

रींगस (नि.स.)। रींगस में बुधवार 17 दिसंबर को हर्षोल्लास के साथ में पेंन्शनधारियों ने पेन्शन डे मनाया। पेन्शन डे पर मोटिंग की अध्यक्षता शम्भुदयाल शर्मा ने की। शर्मा ने बताया कि रक्षा मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार डी0 एस0 नकारा के जीवन पर प्रकाश डाला गया। डी. एस. नकारा 1942 में सेवा-विकृत हुए। केन्शनरों के लिए जीवन भर सर्वमस्त रहे। इन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर लम्बी लड़ाई लड़ी। एवं 17 दिसम्बर 1982 को माननीय न्यायमूर्ति यशवन्त चन्द्र पूड, ने पेन्शनरों के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला सुनाया । पेन्शन न तो उपहार है और ना ही ईनाम है। पेन्शन एक सेवा विकृत राज सेवक का अधिकार है इसके उपरान्त राष्ट्रीय स्तर पर पेन्शनरों का उत्साह बढ़ा और कई संगठन बने और सरकार ने वेतन आयोग गठित किये। राजस्थान में वर्तमान में 51 जिला स्तरीय कमेटियाँ एवं 235 तहसील स्तरीय शाखाएं हैं। पेन्शन का इतिहास ब्रिटिश टाईम से ही चला आ रहा है।

फुलेरा में गरिमामय वातावरण में मनाया गया पेंशनर दिवस

वरिष्ठ पेंशनरों का सम्मान, पेंशन अधिकारों की रक्षा को लेकर रैली व ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

फुलेरा (नि.स.)। देश भर के प्रत्येक पेंशनर के लिए गौरव, सम्मान एवं अधिकारों का प्रतीक पेंशनर दिवस 17 दिसम्बर को राजस्थान पेंशनर समाज, फुलेरा द्वारा श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर फुलेरा के गण गौरी बाजार स्थित श्री राम द्वारा सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 75 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ पेंशनरों का साफा एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पेंशनर शक्ति सिंह ने पेंशनरों के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष करने वाले महान पेंशनर नेता डी.एस. नकारा के जीवन, संघर्ष एवं योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डी.एस. नकारा, जो रक्षा मंत्रालय में वित्तीय सलाहकार के पद से सितम्बर 1972 में सेवानिवृत्त हुए, को पेंशन संबंधी विसंगतियों के कारण गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसके पश्चात उन्होंने न्याय की लड़ाई लड़ी और 17 दिसम्बर 1982 को सर्वोच्च न्यायालय से ऐतिहासिक निर्णय प्राप्त किया। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक फैसले में स्पष्ट किया कि पेंशन न तो कोई इनाम है और न ही उपहार, बल्कि यह कर्मचारी का वैधानिक अधिकार है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है कि सेवानिवृत्ति के बाद प्रत्येक पेंशनर सम्मानजनक एवं सुरक्षित जीवन व्यतीत कर सके तथा पेंशन में समानता बनी रहे, चाहे सेवानिवृत्ति की तिथि अलग-अलग क्यों न हो। इसी निर्णय के परिणामस्वरूप देशभर में पेंशनर संगठनों का गठन हुआ और प्रतिवर्ष 17 दिसम्बर को पेंशनर दिवस मनाया जाने लगा। अध्यक्ष शक्ति सिंह ने पेंशनर साथियों से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, एकजुट रहकर अपने अधिकारों की रक्षा करने तथा संगठन की प्रत्येक गतिविधि में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में गंगाकाशी जाट, सत्यनारायण शर्मा, विमल शर्मा, शीला वाय लेट, भंवरलाल कुमावत, जगदीश कायथ, नाथूलाल मावर, रामअवतार दाधीच, ब्रजमोहन कुमावत, फूलचन्द्र सोनी, कैलाशचन्द, रमेशचन्द्र गोठवाल, ओमप्रकाश रामा, श्री नारायण सैनी, रामअवतार गुप्ता, हनुमान सहित बड़ी संख्या में पेंशनर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत पेंशनरों ने रैली निकालकर प्रदर्शन किया तथा पेंशनरों के हितों पर कुठाराघात करने वाले सीसीए पेंशन नियम संशोधन विधेयक 2025 को वापस लेने की मांग को लेकर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं माननीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक कार्यालय पहुंचकर एसडीएम को एक ज्ञापन प्रेषित किया एवं पेंशनर एकता जिंदाबाद के उद्घोष लगाए।

गरम जैकेट पाकर बच्चों के चेहरे फूल की तरह खिले

बढ़ता राजस्थान

रींगस (नि.स.)। आभावास सेठ मांगीलाल चंपालाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक के 90 विद्यार्थियों को बुधवार,17 दिसंबर 2025 को गर्म जैकेट्स वितरित किए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुभाष चंद शर्मा प्रधानाचार्य ने की। वाइस प्रिंसिपल शंकर लाल माली ने बताया कि समस्त स्टाफ के आर्थिक सहयोग से गर्म जैकेट्स खरीदे गए तथा बच्चों को वितरित किए गए। इस मौके पर व्याख्याता श्रवण कुमार , सुनीता यादव , मुकेश कुमार , मक्खन लाल , वरिष्ठ अध्यापक भगवान सहाय , सोहन शर्मा, सुरेंद्र कुमार, शीला चौधरी, शंकर लाल , भंवरलाल , बाबूलाल महला ,प्रेम देवी ,सीता यादव, सुबिता ,सुनीता चौधरी , रामनारायण , मनोज कुमार,सीताराम सहित समस्त उपस्थित रहा। स्टाफ के इस पुनीत कार्य के लिए प्रधानाचार्य शर्मा ने सबको धन्यवाद दिया।

राजस्व अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। आगामी 21 दिसम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोटपूतली-बहरोड़ की सचिव डिम्पल जंडैल की अध्यक्षता में जिले के राजस्व अधिकारियो के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक का उद्धेष्य आगामी लोक अदालत में राजस्व प्रकरणों का अधिकाधिक निस्तारण किया जाना रहा। इस मौके पर लोक अदालत में अधिकाधिक राजस्व प्रकरणों के निस्तारण की योजना पर चर्चा की गई। सचिव डिम्पल जंडैल ने अधिकारियों को अधिकाधिक राजस्व प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित करने के निर्देश दिये। इस दौरान एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एएसपी नाजिम अली खान, एसडीएम रामावतार मीणा समेत अन्य मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्मदिवस पर गुरु कृपा संस्था ने बांटे फल

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्मदिवस के अवसर पर गुरु कृपा वृद्ध जन सेवा संस्था द्वारा सेवा कार्य आयोजित किया गया। संस्था के संस्थापक चिरंजीलाल सैनी (मूण्डरु) ने बताया कि इस उपलक्ष्य में बच्चों को फल (केले) वितरित किए गए। कार्यक्रम संस्था के प्रदेश महासचिव गोपाल माली के सानिध्य में संपन्न हुआ।

भामाशाह कबूल सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिहोड़ को प्रिंटर भेंट किया

बढ़ता राजस्थान

पाटन(बिल्लूराम सैनी)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिहोड़ को लगातार भामाशाह का सहयोग मिलता आ रहा है, ग्रामीण द्वारा पूर्व में भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिहोड़ को अनेक उपकरण भेंट किए जा चुके हैं, । इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए ग्राम पंचायत के भामाशाह कबूल सिंह तंवर द्वारा भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को एक प्रिंटर भेंट किया गया, भामाशाह द्वारा प्रिंटर भेंट किए जाने पर ग्रामीणों ने एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ ने भामाशाह का स्वागत किया, भामाशाह के पुत्र प्रवीण सिंह तवर ने कहा कि भविष्य में भी हम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को और भी सहयोग करेंगे, इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने अपने विचार प्रकट करते हुए भामाशाह का आभार व्यक्त किया, ग्रामीणों ने यह भी बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिहोड़ कई बार जिला स्तर पर एवं राज्य स्तर पर श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर चुका है। इसमें अहम भूमिका डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर पंकज यादव की रही। इस दौरान राजकुमार मीणामास्टर,नागरमल शर्मा,श्यामसुंदर शर्मा,गोकुलचंद मीणा,मदनमीणा,ओमपालसिंह,ला लसिंह,सुरेश,शिवराम,जगदीशकु मावत,केशर,सुभाष,सुरेश मनोज सोनी,विनोद योगी,बंदूखा,राकेश ,भगीरथ,खूबसिंगतंवर,प्रदीप,म नीष,प्रभु,संजू,अमित,प्रदीप,प्रदी पमास्टर,मनोज सिंह तंवर,प्रवीण सिंह तंवर सहित सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे।

जयपुर मोबाइल कोर्ट की बड़ी कार्रवाई

शराब पीकर वाहन चलाने वालों को भारी जुर्माने से दिया सख्त संदेश

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। राजधानी की सडक़ों पर शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ जयपुर महानगर द्वितीय की मोबाइल कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। सडक़ सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मोबाइल मजिस्ट्रेट ने नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों पर भारी जुर्माना और अधिकतम अभियोजन व्यय आरोपित कर स्पष्ट संदेश दिया है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सडक़ पर शराब पीकर गाड़ी चलाई तो खैर नहीं

अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-13 द्वितीय व मोबाइल कोर्ट के पीठासीन अधिकारी गुरजोत सिंह ने हाल ही में मोटर यान अधिनियम की धारा 185 के तहत कई चालकों को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा है कि शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के साथ किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी।

इन पर गिरा जुर्माने का गाज

सहायक अभियोजन अधिकारी दिनेश लोहिया के अनुसार कोर्ट ने विभिन्न श्रेणी के वाहनों पर भारी जुर्माना लगाया है। ट्रक चालक पर 20,000 रुपये, कार चालक पर 20,000 रुपये, मोटरसाइकिल चालक पर 12,000 रुपये औरवमोटरसाइकिल चालक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है।

अभियोजन व्यय के जरिए कड़ा प्रहार

कोर्ट ने न केवल जुर्माना लगाया, बल्कि अधिकतम अभियोजन व्यय भी आरोपित किया है।

भपंग वादन, चंग की थाप, बांसुरी की सुरीली धुन और कठपुतली शो रहे आकर्षण का केंद्र

राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का तीसरा दिन, प्रदेश की समृद्ध लोक-संगीत और संस्कृति को समर्पित रही सांस्कृतिक संध्या

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की ओर से राज्य सरकार के कार्यकाल के शानदार दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जवाहर कला केन्द्र में 15 दिसम्बर से आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में तीसरे दिन बुधवार को सांस्कृतिक संध्या में भपंग वादन, चंग की थाप, बांसुरी की सुरीली धुनों और काठ की पुतलियों की जीवंत अदाओं ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। पर्यटन विभाग के सहयोग से सुसज्जित सांस्कृतिक संध्या में यूसुफ खाँ एवं उनके समूह ने भपंग वादन के माध्यम से कैसो आ गयो जमानो रे और दुनिया में भाया देख ले जैसे लोकगीतों की प्रस्तुति देकर खूब तालियाँ बटोरीं। वहीं चूरू के श्याम मित्र मण्डल ने चंग की जोशीली थाप और बांसुरी की मधुर तान के साथ लोकधुनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण कठपुतली लोक कलाकार राजू भाट रहे, जिन्होंने ढोलक की थाप पर उंगलियों पर काठ की पुतलियों को नचाते हुए महाराजा अमरसिंह की कहानी प्रस्तुत कर दर्शकों को जीवंत अनुभूति कराई।

बॉलीवुड की प्रसिद्ध हस्ती मकरंद देशपांडे ने बताया कठपुतली कला को अद्भुत और अलौकिक

प्रदर्शनी देखने पहुंचे बॉलीवुड एक्टर, राइटर और डायरेक्टर मकरंद देशपांडे ने कठपुतली कलाकारी के अद्त हुनर की जोरदार प्रशंसा करते हुए कहा कि लोक कलाओं को संजोकर रखा जाए, यह कलाएं हमारी धरोहर हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से यह नि:शुल्क कला प्रदर्शन है किन्तु कठपुतली कला अद्त और अलौकिक है। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की संयुक्त निदेशक क्षिप्रा भटनागर ने श्री मकरंद देशपांडे को डीआईपीआर की ओर से किट ?गिफ्ट किया, उनका स्वागत किया, वहीं कलाकारों को भी मंच पर सम्मानित किया। इससे पूर्व राजस्थान प्रशासनिक सेवा की अधिकारी क्षिप्रा शर्मा किस्सागोई कला के अंतर्गत मोर और मोरनी की लोककथा सुनाकर श्रोताओं को कथाओं की दुनिया में ले गईं। वहीं टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया के क्षेत्र में अवसर और चुनौतियाँ विषय पर आयोजित पैनल डिस्कशन में थिएटर आर्टिस्ट एवं आरजे प्रियदर्शिनी मिश्रा, निधीश गोयल एवं सुमित ने युवाओं को अपनी प्रतिभा पहचानकर उसी अनुरूप करियर चुनने का संदेश दिया। कार्यक्रम में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की ओर से सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभाग की सहायक निदेशक श्रीमती कविता जोशी ने प्रदर्शनी के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सम्पादकीय

व्यापार संभावनाएं: ताजा आंकड़े नीति-निर्माताओं का ध्यान न भटकाएं

इस वर्ष सबसे बड़े वैश्विक आर्थिक मुद्दों में से एक रहा है अमेरिका की व्यापार नीति में कठोर बदलाव। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सभी बड़े कारोबारी साझेदारों पर जवाबी शुल्क लगा दिया। उन्होंने उनमें से कई देशों के साथ नई कारोबारी शर्तें तय कीं। इस मामले में भारत एक अपवाद के तौर पर सामने आया है। अमेरिका ने जवाबी शुल्क के अलावा भारत पर 25 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क भी लगा दिया क्योंकि वह रूस से तेल आयात कर रहा था। भारत इस मसले को हल करने में कामयाब नहीं रहा है। चूंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है और 2024 में भारत को आपसी व्यापार से 45 अरब डॉलर का अधिशेष हुआ था इसलिए यह मामला हमारे देश के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। इस परिदृश्य में इसी सप्ताह जारी हुए नवंबर माह के व्यापार संबंधी आंकड़े अधिकांश भारतीय पर्यवेक्षकों के लिए सुखद आश्चर्य लेकर आए। विदेश वस्तु व्यापार सालाना आधार पर 19.4 फीसदी की दर से बढ़ा जो 41 महीनों में सबसे तेज वृद्धि है। अमेरिका को होने वाला निर्यात भी 22 फीसदी से अधिक बढ़ा। इसके परिणामस्वरूप व्यापार घाटा भी इस महीने कम हुआ।

विपरीत हालात के बावजूद, अप्रैल-नवंबर अवधि के दौरान वस्तु निर्यात में वृद्धि हुई है, हालांकि यह लगभग 2.6 फीसदी की मामूली दर से रही। हालांकि, इस अवधि में वस्तु व्यापार घाटा बढ़ गया है, जो आंशिक रूप से रुपये पर दबाव का कारण भी है। इसलिए, व्यापक नीतिगत दृष्टिकोण से, नवंबर के अपेक्षा से बेहतर व्यापार आंकड़े नीति-निर्माताओं को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से विचलित नहीं करने चाहिए। सरकार जल्द ही एक ढांचागत व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की उम्मीद कर रही है, जिससे प्रतिस्पर्धियों के साथ भारी शुल्क अंतर को संबोधित किया जा सकेगा। यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। ध्यान देने योग्य है कि प्रतिस्पर्धियों के साथ शुल्क अंतर, जो लगभग 30 फीसदी है, अमेरिकी खरीदारों को भारतीय उत्पादों, विशेषकर कम मूल्य और उच्च मात्रा वाले सामान से अन्य देशों के आपूर्तिकर्ताओं की ओर धकेल सकता है। यदि समझौता काफी देर से होता है, तो भारतीय निर्यातकों के लिए उन्हें वापस लाना कठिन हो सकता है। इस प्रकार, जोखिम यह है कि भारतीय वस्तुओं की मांग का एक हिस्सा स्थायी रूप से खो सकता है। उच्च शुल्क, जो निर्यात मांग को सीमित करते हैं, निवेश के लिए भी एक बाधा हैं, जिसमें प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी शामिल है। वृहद आर्थिक नजरिए से देखें तो चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भुगतान संतुलन ऋणात्मक हो गया क्योंकि भारत ने पूंजी के बाहर जाने का भी अनुभव किया, विशेषकर इक्विटी बाजारों से। उदाहरण के लिए, 2025 में अब तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 18 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के भारतीय शेयर बेचे हैं। बिक्री का एक कारण यह हो सकता है कि भारतीय कंपनियां वास्तव में वैश्विक आर्टिफिशल इंटेलिजेंस संबंधी निवेश उछाल का हिस्सा नहीं हैं। दूसरा कारण व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताएं भी हो सकती हैं। आने वाले हफ्तों में अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौता पूंजी प्रवाह को कम कर सकता है या उलट सकता है। अमेरिका के अलावा, भारत कई अन्य व्यापारिक साझेदारों, जिनमें यूरोपीय संघ भी शामिल है, के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। इन पर सकारात्मक प्रगति भी विश्वास को बढ़ाएगी। व्यापार और पूंजीगत खातों, दोनों में अनिश्चितता रुपये पर दबाव डाल रही है, जो 2025 में अब तक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगभग 6 फीसदी गिर चुका है।

आज का इतिहास

बढ़ता राजस्थान

18 दिसम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएं

- 2014 - सबसे भारी रॉकेट जीएसएलवी मार्क-3 का सफल प्रक्षेपण हुआ।
- 2017- राष्ट्रमंडल कुश्ती चैंपियनशिप में भारत ने जीते 30 में से 29 स्वर्ण।
- 2015 - ब्रिटेन के कोयला खादान केलिंगले केलियरी को बंद किया गया।
- 2008- ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण हुआ।
- 2007 - जापान ने इंटरसेप्टर मिसाइल का परीक्षण किया।
- 2006 - मलेशिया में बाढ़ से कम से कम 118 लोगों की मौत तथा चार से लाख से अधिक लोग बेघर।
- संयुक्त अरब अमीरात में पहली बार चुनाव।
- 2005 - भूटान नरेश जिग्मे सिंग्मे वांगचुक ने 2008 में गद्दी छोड़ देने की घोषणा की।
- कनाडा में गृह युद्ध की शुरुआत।
- 2002 - हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने सिपिदान और लिगितान द्वीपों पर नियंत्रण के मामले में मलेशिया के अधिकार की पुष्टि की।
- 2000 - फ्रांस के जाने-माने अभिनेता करार्ड ब्लेन का निधन।
- 1999 - श्रीलंका की राष्ट्रपति चंद्रिका कुमार तुंग पर हुए जानलेवा हमले में 25 लोगों की मृत्यु तथा 100 घायल।
- 1997 - भारत और अमेरिका के मध्य अंतरिक्ष अनुसंधान में सहयोग के लिए वाशिंगटन संधि सम्पन्न।
- 1995 - अज्ञात विमान ने पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में हथियारों का जखीरा गिराया।
- 1989 - सचिन ने अपना पहला एकदिवसीय क्रिकेट मैच पाकिस्तान के ख़िलाफ़ खेला था।
- 1973 - इस्लामिक डेवलपमेंट बैंक की स्थापना।
- 1960 - नयी दिल्ली में राष्ट्रीय संग्रहाल का शुभारंभ।

विशेष आलेख

सड़क हादसों की बढ़ती वजह: अवैध पार्किंग और हाईवे किनारे ढाबे

सुनील कुमार महला

सड़क हादसे एक बहुत बड़ी मानवीय त्रासदी हैं, जो पल भर में हँसते-खेलते परिवारों को उजाड़ देती हैं। इनमें किसी अपने की जान जाना या जीवन भर की अपंगता पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल देती है। हादसे के बाद केवल आर्थिक नुकसान ही नहीं होता, बल्कि मानसिक और भावनात्मक पीड़ा भी लंबे समय तक बनी रहती है। बच्चों का भविष्य प्रभावित होता है और बुजुर्ग सहारे से वंचित हो जाते हैं। समाज पर भी इसका व्यापक असर पड़ता है, क्योंकि कार्यशील नागरिकों की क्षति से सामाजिक-आर्थिक विकास बाधित होता है। अस्पतालों और आपात सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इन हादसों का सबसे दुखद पहलू यह है कि अधिकांश दुर्घटनाएं थोड़ी-सी सावधानी और नियमों के पालन से रोकी जा सकती हैं। इसलिए सडक़ सुरक्षा को केवल कानून नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में समझना बेहद जरूरी है।

घना कोहरा व धुंध सडक़ हादसों का प्रमुख कारण : हाल ही में यमुना एक्सप्रेसवे पर मथुरा के पास 16 दिसंबर 2025 मंगलवार तडक़े कोहरा 13 लोगों के लिए काल बन गया। दरअसल, कोहरे के कारण दृश्यता शून्य होने के कारण आपस में टकराने से वाहनों में आग लग गई, जिससे यात्री जिंदा जलकर मर गये। जानकारी के अनुसार हादसा इतना भीषण था कि सौ से अधिक लोग इसमें घायल हो गए। वास्तव में, घने कोहरे के कारण आगे चल रहा वाहन डिवाइडर से टकराकर संतुलन खो बैठा और इसके बाद पीछे से आ रहे वाहन एक के बाद एक टकराते चले गए। इससे वाहनों में आग लग गई। गहरी नींद में सो रहे यात्रियों की तेज आवाज से आंख खुली तो चीख-पुकार मच गई और वे जान बचाने के लिए जलते वाहनों से कूदने लगे। आशंका है कि सीएनजी वाहन में विस्फोट से आग लगी। दमकलों ने जब तक आग पर काबू पाया, 14 वाहन जल चुके थे। इनमें आठ बसें और एक कार शामिल है। ये बसें यूपी, बिहार, अरुणाचल प्रदेश से दिल्ली आ रही थीं। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा है कि, 'मेरी संवेदनाएं अपनों को खोने वाले परिवारों के साथ हैं।' भीषण हादसे के बाद प्रधानमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की गई है। वहीं, यूपी के मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार की मदद देने का ऐलान किया है।

सडक़ हादसों के लिए वाहन चालकों की लापरवाही ही जिम्मेदार नहीं : हाल फिलहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि हाल के दिनों में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर जो बड़े सडक़ हादसे हुए हैं, उनके लिए सिर्फ वाहन चालकों की लापरवाही ही जिम्मेदार नहीं है।सच तो यह है कि सडक़ किनारे बने ढाबे और होटल भी इन दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण बन रहे हैं। अक्सर इन ढाबों के सामने ट्रक, बस या अन्य वाहन सडक़ के किनारे खड़े कर दिए जाते हैं और सडक़ पर तेज रफ्तार से दौडने वाली गाडियां उन्हें समय पर देख नहीं पातीं और उनसे टकरा जाती हैं। इसका गंभीर उदाहरण कुछ समय पहले ही राजस्थान के फलोदी में हुआ एक हादसा है, जहां सडक़ किनारे खड़े एक ट्रेलर से टेम्पो ट्रैवलर टकरा गया। मीडिया में आईं खबरों के अनुसार इस दुर्घटना में 10 महिलाओं और 4 बच्चों सहित कुल 15 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना पर माननीय सुप्रीम कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया और सुनवाई के दौरान एनएचएआई यानी कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (नेशनल हाइवेज अथारिटी ऑफ इंडिया)और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने साफ कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे के किनारे बने अवैध ढाबे और होटल सडक़ हादसों की बड़ी वजह हैं और इन्हें रोकने के लिए देशभर में लागू होने वाले नियम बनाने की जरूरत है। वास्तव में, असल समस्या यह है कि कई ढाबे और होटल लाभ कमाने के उद्देश्य से बिना पर्याप्त पार्किंग के ही सडक़ किनारे खोल दिए जाते हैं और वहां ठहरने वाले लोग मजबूरी में अपनी गाड़ी सडक़ पर खड़ी कर देते हैं, जबकि इन सडक़ों पर वाहन बहुत तेज रफ्तार से चलते हैं। ऐसे में हादसों का खतरा लगातार बना रहता है। सवाल यह है कि ऐसे ढाबों को बिना नियम-कानून के चलने की इजाजत किसने दी और अब तक सरकार ने इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की ? क्या ऐसे ढ़ाबा व होटल मालिकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए ? यह विडंबना ही है कि आज हमारे देश में सडक़ किनारे खुलने वाले ढाबे, रेस्टोरेंट और होटल अक्सर बिना किसी ठोस नियम-कानून के संचालित हो रहे हैं। ये जहां जगह मिल गई, वहीं बना दिए जाते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होती है। अधिकांश ढाबों के सामने वाहनों की अवैध पार्किंग रहती है, या बहुत से स्थानों पर तो पार्किंग व्यवस्थाएं होतीं ही नहीं हैं, ऐसे में वाहनों को यत्र-तत्र अव्यवस्थित रूप से पार्क करना पड़ता है, जो सडक़ हादसों का कारण बनती है। वास्तव में ऐसी जगहों पर न तो यहां सुरक्षित पार्किंग की व्यवस्था होती है और न ही प्रवेश-निकास के लिए निर्धारित स्थान। कई जगहों पर तो पीने के पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव देखने को मिलता है। इससे यात्रियों को, वाहन चालकों को परेशानी होती है और आसपास गंदगी भी फैलती है।यह एक कड़वा सच है कि स्वच्छता और सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी की जाती है। जरूरत है कि ऐसे ढाबों और होटलों के लिए स्पष्ट नियम बनाए जाएं और उनका सख्ती से पालन कराया जाए।

आंकड़े बयां करते हैं सडक़ हादसों की भयावहता : हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो 2025 में भारत में सडक़ हादसों की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। उपलब्ध सरकारी व मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी से जून 2025 के बीच केवल राष्ट्रीय राजमार्गों पर ही लगभग 67,900 से अधिक सडक़ दुर्घटनाएँ दर्ज की गईं, जिनमें करीब 29,000 लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा दर्शाता है कि हर दिन औसतन 150 से अधिक लोग सडक़ हादसों में अपनी जान गंवा रहे हैं। तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग, शराब पीकर वाहन चलाना, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और सडक़ किनारे अव्यवस्थित ढाबे-पार्किंग जैसी समस्याएँ इन हादसों के प्रमुख कारण बने हुए हैं।

पैसों की लालच में भगवान की आस्था से खिलवाड़ न करे मंदिर प्रबंधन

अरविंद रावल

ऐसे में देश के प्रधान न्यायाधीश का यह निर्णय स्वागत योग्य है। यह फैसला न केवल वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर तक सीमित है, बल्कि देश के सभी बड़े मंदिरों के लिए एक सख्त संदेश है।

देश की सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीश श्री सूर्यकांत जी ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के वृंदावन स्थित प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में भगवान के दर्शन का समय बढ़ाने तथा शयन काल में कटौती किए जाने के मामले में मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पैसों की लालच में आकर मंदिर प्रबंधन भगवान के विश्राम का समय कम नहीं कर सकता। यह निर्विवाद सत्य है कि आज भी भारत भर में मंदिर हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्र हैं, जहां वर्ष भर लाखों की संख्या में श्रद्धालु अपने आराध्य की एक झलक पाने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में देश के प्रधान न्यायाधीश का यह निर्णय स्वागत योग्य है। यह फैसला न केवल वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर तक सीमित है, बल्कि देश के सभी बड़े मंदिरों के लिए एक सख्त संदेश है कि मंदिर प्रबंधन पैसों की लालच में भगवान की आस्था से खिलवाड़ न करे। देशभर के बड़े मंदिरों में सबसे अधिक संख्या आम श्रद्धालुओं की होती है, जो घंटों लंबी कतारों में खड़े रहकर, हजारों किलोमीटर का सफर तय कर बसों और ट्रेनों के जनरल डिब्बों की भीड़ झेलते हुए प्रभु दर्शन की अभिलाषा से आते हैं। यात्रा में कितनी भी कठिनाइयां क्यों न हों, वे कभी शिकायत नहीं करते। इसके विपरीत, वीआईपी दर्शन व्यवस्था के चलते अक्सर आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित होते हैं । यह भी एक कड़वा सत्य है कि देश के कुछ प्रसिद्ध मंदिरों में मंदिर प्रबंधन समितियों ने भगवान के दर्शन को आय का साधन बना लिया है। इसके परिणामस्वरूप आम श्रद्धालुओं को जानबूझकर विलंब कराया जाता है। कई स्थानों पर तो भगवान के शयन काल में भी अलग द्वार से वीआईपी लोगों को न केवल दर्शन कराए जाते हैं, बल्कि गर्भगृह तक ले जाकर अनुष्ठान भी करवाए जाते हैं । हालांकि वीआईपी दर्शन से प्राप्त आय से श्रद्धालुओं के लिए भोजन, पानी एवं ठहरने जैसी सुविधाएं विकसित की जाती हैं, किंतु भगवान की दिनचर्या में बदलाव कर यह व्यवस्था करना सच्चे भक्तों को कभी स्वीकार नहीं हो सकता। फिर मंदिर प्रबंधन किस अधिकार से भगवान के समय को अपने अनुसार तय करने लगे? केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को चाहिए कि देश के प्रसिद्ध मंदिरों में वीआईपी दर्शन व्यवस्था को लेकर व्यापक मंथन करे और एक समान नीति बनाए, जिसमें दर्शन शुल्क और समय निर्धारित हों। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भगवान के विश्राम काल या पट बंद होने के बाद, चाहे कोई कितना ही बड़ा वीआईपी क्यों न हो, उसे दर्शन की अनुमति न दी जाए । जिन राज्यों में देश के प्रतिष्ठित मंदिर स्थित हैं, वहां की राज्य सरकारों से भी निवेदन है कि वे मंदिरों की पवित्रता और श्रद्धालुओं की आस्था को अक्षुण्ण बनाए रखने हेतु मंदिर प्रबंधन समितियों की गतिविधियों पर निगरानी रखें और देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सरल, सहज और समान दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करें।

लघु कथा

बढ़ता राजस्थान

नदियां और समुद्र

एक ऋषि थे, जिनका शिष्य तीर्थाटन करके बहुत दिनों के बाद वापस आया। संध्या-समय हवन-कर्म से निवृत होकर जब गुरु और शिष्य, जरा आराम से, धूनी के आर-पार बैठे, तब गुरु ने पूछा, तो बेटा, इस लंबी यात्रा में तुमने सबसे बड़ी कौन बात देखी? शिष्य ने कुछ सोचकर कहा, सबसे बड़ी बात तो मुझे यह लगी कि देश की सारी नदियाँ बेतहाशा समुद्र की ओर भागी जा रही है। गुरु बोले, अरे, इसमें कौन सी बड़ी बात हैं? शिष्य ने निवेदन किया, बड़ी बात तो है महाराज! अब यही देखिए कि जितनी नदियाँ हैं, वे सब की सब श्रद्धेय हैं, उनका रूप मनोहर और जल सुस्वादु है और उनके किनारों पर इतने फूल खिलते हैं, इतने पक्षी चहचहाते रहते हैं कि आदमी का जी वहाँ से हटने को नहीं चाहता। मगर नदियाँ हैं कि एक क्षण कहीं रुकने का नाम नहीं लेती, वे भागी जा रही है, भागी जा रही हैं। और किसकी तरफ को महाराज? उस समुद्र की तरफ को, जिसका रंग नीला और सारा शरीर लवण से तिक्त है, जिसके मुंह से हर समय पागलों की तरह झाग चलता रहता है और जिसे यह फिक्र ही नहीं रहती कि कौन उससे मिलने को आ रहा है। ऋषि ने कहा, बेटा, समुद्र और नदियां नारी है। नारियों का स्वभाव है कि वे अपने प्रेमी का चुनाव, गुण देखकर करती है। समुद्र नीला और खारा भले ही हो, मगर वह गंभीर हैं और बड़ा मर्यादावान भी। इसलिए वह न तो कभी घटता है और ना उसमें बाढ़ ही आती है। ऐसे सुगंभीर मर्यादा-पुरुषोत्तम का आकर्षण भला कौन नारी रोक सकती हैं?

हैल्थ टिप्स

बढ़ता राजस्थान

सर्दियों में डैंड्रफ से हैं परेशान तो नारियल तेल में मिलाकर लगाएं ये 2 चीजें, छूमंतर हो जाएगी रूसी

सर्दियों के मौसम में सिर्फ सेहत से जुड़ी ही नहीं, बल्कि बालों से जुड़ी भी कई तरह की समस्याएं भी होने लगती हैं। सर्दियों में अधिकतर लोग डैंड्रफ यानी रूसी की समस्या से परेशान रहते हैं। दरअसल, सर्दियों में हमारा शरीर सीबम का प्रोडक्शन अधिक मात्रा में करता है। इस सीबम पर मैलेसेजिया नामक एक फंगस ग्रो करने लगती है। यही मैलेसेजिया फंगस डैंड्रफ पैदा करता है। इसके अलावा, धूल-मिट्टी, प्रदूषण, गलत खानपान, खराब जीवनशैली और बालों की सही देखभाल न करने की वजह से डैंड्रफ की समस्या हो सकती है। ऐसे में, आप चाहें तो डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए कुछ घरेलू उपायों को आजमा सकते हैं।

नारियल का तेल और नींबू का रस : आप डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा पाने के लिए नारियल के तेल में नींबू का रस मिलाकर लगा सकते हैं। दरअसल, नींबू का रस प्राकृतिक एसिडिक होता है। इसमें एंटी-फंगल गुण मौजूद होते हैं, जो डैंड्रफ को कम करने में मदद कर सकते हैं। वहीं, नारियल का तेल स्कैल्प को पोषण और नमी प्रदान करता है। इसके लिए आप नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने स्कैल्प पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। करीब 30 मिनट बाद बालों को किसी माइल्ड शैंपू से धो लें। हफ्ते में दो से तीन बार इसका इस्तेमाल करने से रूसी से छुटकारा मिल जाएगा।

नारियल का तेल और नीम के पत्ते : अगर आप सर्दियों में डैंड्रफ की समस्या से परेशान हैं, तो नारियल तेल और नीम के पत्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, अपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताप और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

आज का दिन आपके लिए किसी जोखिम भरे काम को करने से बचने के लिए रहेगा। प्रेम जीवन में कठिनाइयां रहने से आपका मन परेशान रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर थोड़ा संयम बनाकर चलना होगा।

वृष

आज का दिन आपके लिए आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने के लिए रहेगा। आपके सामने कुछ ऐसे खर्च होंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। वाहनों के प्रयोग से आप सावधानी बरतें।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप अपने पेंडिंग कामों को निपटाने की कोशिश करें। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी से अपने आगे की भविष्य को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

कर्क

आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर कोई जोखिम लेने से बचना होगा। घर में बड़ों का आपको पूरा साथ मिलेगा। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी।

सिंह

आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। सामाजिक कामों में आप बढ़ चढक़र हिस्सा लेंगे और रोजगार को लेकर परेशान चल रहे।

कन्या

आज का दिन आपके लिए आर्थिक मामलों में अच्छा रहने वाला है। आपको मन मुताबिक लाभ मिलने से खुशी होगी। आपने यदि किसी से कुछ कर्ज लिया था।

तुला

आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपको बेवजह भाग दौड़ रहने से अत्यधिक थकान का अनुभव होगा। आप अपने परिवार के सदस्यों साथ समय बिताएंगे। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपकी दान पुण्य के कार्यों में काफी रुचि रहेगी। परोपकार के कार्य में आप पर चढ़क़र हिस्सा लेंगे। आज आपके घर किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

धनु

आज का दिन आपके लिए सूझबूझ से काम करने के लिए रहेगा। पिताजी आपके काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव रहने से भाग दौड़ भी अधिक रहेगी।

मकर

आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको बिजनेस में भी कुछ उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। आप अपने कामों को लेकर सूझबूझ दिखाएं, जिससे आपके ऊपर काम का बोझ अधिक रहेगा।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। आपके मन में किसी काम को लेकर उलझन चल रही है, तो आप उसे दूर करने की कोशिश करें। पारिवारिक जीवन में आपको थोड़ा सावधान रहना होगा।

मीन

आज का दिन आपके लिए बढिय़ा रहने वाला है। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं। आप अपनी संतान व जीवनसाथी के साथ कुछ समय व्यतीत करेंगे, जिससे आपके आपसी रिश्ते भी बेहतर होंगे।

सीईओ गौरव बुडानिया ने किया आकस्मिक निरीक्षण, रवांजना चौड़ में वित्तीय अनियमितताओं पर दिखाई सख्ती

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। बुधवार को जिला परिषद सीईओ गौरव बुड़ानिया द्वारा पंचायत समिति चौथ के बरवाड़ा की ग्राम पंचायत रवांजना चौड़ एवं कुश्तला में आकस्मिक निरीक्षण किया गया ! सीईओ बुड़ानिया द्वारा ग्राम पंचायत रवाजना चौड़ के निरीक्षण के दौरान उन्हें कई खामिया एवं अनियमितताएं मिलीं । सीईओ द्वारा प्रथम पत्रावलियों की जांच एवं कार्यों के निरीक्षण के दौरान कई वित्तीय अनियमितताएं एवं खामियां मिलीं ।सीईओ बुडानिया ने तत्काल जिला स्तर से गठित जांच कमेटी को ग्राम पंचायत कार्यों के गहन जांच के निर्देश दिए ।साथ ही प्रथम दृष्टया मामले में लापरवाही बरतने सहित अन्य खामियों के लिए पूर्व ग्राम सचिव घनश्याम सैनी के कार्यकाल के दौरान विकास कार्यों में किए गए गलत भुगतान करने के लिए प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज कराने सहित अन्य आवश्यक मौखिक निर्देश दिए! यदि जांच कमेटी द्वारा जांच में दोषी पाए जाने पर पूर्व ग्राम सचिव के पेंशन रोकने के निर्देश भी सीईओ द्वारा दिए गए। ग्राम पंचायत कुश्तला का भी सीईओ बुड़ानिया द्वारा निरीक्षण किया गया। वहां उन्होंने नरेगा विकास कार्यों ,प्रधानमंत्री आवास योजना का निरीक्षण किया। सीईओ ने कुश्तला पंचायत कार्यालय में सफाई व्यवस्था को देखा उन्होंने सफाई व्यवस्था को ठीक पाये जाने पर ग्राम सचिव एवं कार्यालय कर्मियों की प्रशंसा की । निरीक्षण के दौरान विकास अधिकारी इंदराज मीना सहित ग्राम पंचायत के अधिकारी कार्मिक मौजूद रहे।

नगरफोर्ट में पंचायत समिति खोलने की मांग को लेकर ग्रामीणों का अनशन जारी, एसडीओ की समझाइश विफल

बढ़ता राजस्थान

टोंक/नगरफोर्ट (कमलेश गौतम)। नगरफोर्ट में पंचायत समिति खोलने तथा तहसील को यथावत रखने सहित विभिन्न मांगों को लेकर ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा अनशन लगातार जारी है। मंगलवार देर शाम देवली की एसडीएम रूबी अंसार धरना स्थल पर पहुंचीं और अनशनकारियों व ग्रामीणों से वार्ता कर अनशन समाप्त कराने का प्रयास किया,

लेकिन यह प्रयास विफल रहा। अनशनकारियों व ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि सरकार की ओर से सकारात्मक पहल और लिखित आश्वासन मिलने के बाद ही धरना समाप्त किया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि नगरफोर्ट को पंचायत समिति बनाने की प्रक्रिया पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में शुरू हो चुकी थी। इस बार पंचायत राज पुनर्गठन के दौरान भी लोगों को नगरफोर्ट पंचायत समिति खुलने की उम्मीद थी, लेकिन अपेक्षाओं के अनुरूप निर्णय नहीं होने से जनता में निराशा व्याप्त है। इसी क्रम में बुधवार को प्रात: 11 बजे से दो घंटे तक बाजार बंद रखा जाएगा। इसके बाद ग्रामीण जुलूस के रूप में तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। वार्ता के दौरान धरना स्थल पर एसडीओ रूबी अंसार, उनियारा पुलिस वृत्ताधिकारी आकांक्षा चौधरी, पुलिस निरीक्षक बाबूलाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य सरकार की दूसरी वर्षगांठ : जिला विकास प्रदर्शनी

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नव उत्थान - नई पहचान बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान की थीम पर इन्दिरा मैदान आयोजित तीन दिवसीय जिला विकास प्रदर्शनी के दूसरे दिन बुधवार को बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों तथा स्कूली विद्यार्थियों ने सहभागिता की। दर्शकों ने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की गैलेरी सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। जिला स्तरीय प्रदर्शनी में आगंतुकों ने राज्य सरकार द्वारा बीते दो वर्षों में जनकल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, रोजगार, कृषि एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में संचालित योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। युवाओं एवं विद्यार्थियों ने नवाचार, कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी योजनाओं में विशेष रुचि दिखाई। कई युवाओं और आम लोगों ने विभागों द्वारा उपलब्ध कराई गई सरकार की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित फोल्डर, प्रचार सामग्री, पम्फ्लेट, बुकलेट आदि, संकलित की। प्रदर्शनी में आमजन को सरकारी योजनाओं की प्रक्रिया, पात्रता एवं लाभ से सीधे तौर पर अवगत कराया गया, जिससे योजनाओं की पहुंच अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक सुनिश्चित हो सके। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने प्रदर्शनी को जनसंवाद एवं पारदर्शिता का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन सरकार और जनता के बीच विश्वास को और अधिक मजबूत करते हैं।

मुआवजा लेने के बाद भी दुकानदारों ने नहीं हटाया था अपना निर्माण

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। झिलाय रोड़ रेलवे फाटक पर निर्मित ओवर ब्रिज के समानान्तर सर्विस रोड पर हो रहे अतिक्रमण को बुधवार को प्रशासन द्वारा ध्वस्त करवाया गया। उप जिला कलेक्टर प्रीति मीणा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निर्मित ओवर ब्रिज के नीचे सर्विस रोड व नाला निर्माण के लिए प्रशासन द्वारा भूमि के मालिकों को मुआवजा दे दिया गया था। लेकिन कुछ व्यापारियों ने मुआवजा लेने के बाद भी अपने प्रतिष्ठानों के बाहर बने हुए चबूतरों व नाला निर्माण में आ रही कुछ दुकानों को दुकानदारों द्वारा कई बार नोटिस देने के बाद भी नहीं हटाया गया था। बुधवार को उप जिला कलेक्टर प्रीति मीणा द्वारा नियुक्त मौका मजिस्ट्रेट तहसीलदार नरेश गुर्जर के नेतृत्व में प्रशासनिक कार्मिकों द्वारा जेसीबी मशीनों द्वारा पुख्ता निर्माण को ध्वस्त किया गया। इस दौरान दुकानदारों द्वारा विरोध किया गया। जिन्हें आपसी समझाईस कर अतिक्रमणों को हटाया गया।

मानवता: असहाय 'प्रभुजनों' को सरकारी अस्पतालों में अब बिना दस्तावेज मिलेगा निः शुल्क इलाज

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। राज्य में असहाय, निराश्रित, लावारिस और अज्ञात रोगियों के लिए एक ऐतिहासिक एवं मानवता-प्रधान पहल साकार हुई है। अब ऐसे रोगी, जिन्हें अपना घर आश्रम में 'प्रभुजन' कहा जाता है और जिनके पास कोई पहचान पत्र या दस्तावेज उपलध नहीं हैं, उन्हें भी प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों एवं संबद्ध चिकित्सालयों में निःशुल्क और प्राथमिकता के आधार पर समुचित उपचार मिल सकेगा।

इसके लिए मां माधुरी बृज वारिस सेवा सदन अपना घर संस्था, चिकित्सा शिक्षा विभाग, और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता देश में अपनी तरह का पहला है, जिसमें बिना पहचान और दस्तावेज वाले असहाय रोगियों के इलाज के लिए औपचारिक और स्थायी व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल

इस ऐतिहासिक एमओयू के पीछे राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का निर्णायक योगदान रहा। उनकी सोच के चलते यह सुनिश्चित हो सका कि वर्षों से केवल पहचान के अभाव में चिकित्सा सुविधाओं से वंचित रहे प्रभुजनों को भी समान अधिकार और सम्मान के साथ इलाज मिल सके। यह समझौता राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने और मुख्यमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में संपन्न कराया गया!

अब दस्तावेज नहीं बनेंगे बाधा

एमओयू के तहत यदि अपना घर आश्रम अपने आधिकारिक लेटरहेड पर यह प्रमाणित करता है कि संबंधित रोगी आश्रम में निवासरत असहाय या लावारिस प्रभुजन है तो उसी आधार पर उसे ओपीडी, आईपीडी, दवाइयां, पैथोलॉजिकल जांच, ऑपरेशन एवं इम्प्लांट सहित सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं निःशुल्क और प्राथमिकता से उपलब्ध कराई जाएंगी। इस समझौते के अंतर्गत राजस्थान के 35 मेडिकल कॉलेजों, उनसे संबद्ध 78 सरकारी चिकित्सालयों तथा प्रदेश में संचालित अपना घर आश्रम की 25 शाखाओं में निवासरत प्रभुजनों को व्यापक चिकित्सा लाभ मिलेगा। एमओयू के अनुसार अपना घर आश्रम प्रभुजनों को अस्पताल तक लाने-ले जाने, उपचार के दौरान सेवासहयोग, आश्रमों में मेडिकल कैंपों की व्यवस्था और मृत्यु की स्थिति में अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी निभाएगा। यह त्रिपक्षीय समझौता तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा, जिसका नवीनीकरण आपसी सहमति से किया जा सकेगा।

मानवता के पक्ष में मील का पत्थर

यह पहल उन प्रभुजनों के लिए नई जीवन-रेखा साबित होगी, जिनके पास अब तक केवल पीड़ा थी, पहचान नहीं। सेवा, संवेदना और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में यह समझौता राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बनेगा।

विनोद सिंघल,
सचिव अपना घर

नेशनल हेराल्ड प्रकरण: न्यायालय निर्णय का कांग्रेस ने किया स्वागत, केंद्र सरकार के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। नेशनल हेराल्ड केस के न्यायालय निर्णय के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इंदिरा मीणा के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में मोदी-शाह का पुतला दहन और 'लोकतंत्र बचाओ' नारे लगाए गए, जिसमें न्यायालय के फैसले का स्वागत किया गया।

जिले के कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में बामनवास विधायक एवं जिला अध्यक्ष इंदिरा मीणा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया। इस अवसर पर विधायक इंदिरा मीणा ने कहा कि न्यायालय के निर्णय ने स्पष्ट कर दिया है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई पूरी तरह राजनीति से प्रेरित और दुर्भावनापूर्ण थी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने विपक्ष की आवाज दबाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया, लेकिन सत्य की जीत हुई। प्रदर्शन में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार जानबूझकर कांग्रेस नेतृत्व को परेशान करने के लिए जांच एजेंसियों को हथियार बना रही है। कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन के दौरान 'लोकतंत्र बचाओ' और 'भाजपा सरकार की तानाशाही नहीं चलेगी' जैसे नारे लगाकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, ब्लॉक और मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, स्थानीय जनप्रतिनिधि और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे, जिन्होंने एकजुट होकर केंद्र की नीतियों का विरोध किया और न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया। यह प्रदर्शन न केवल नेशनल हेराल्ड केस पर जनमानस की संवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि राजनीतिक विरोध की तीव्रता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता की भागीदारी की स्पष्ट झलक भी पेश करता है।

आयुर्वेद क्षार सूत्र शल्य चिकित्सा शिविर का जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने किया शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

टोडारायसिंह (उमाशंकर शर्मा)। कस्बे में चुंगी नाका के पास अग्रवाल धर्मशाला में 10 दिवसीय आयुर्वेद एवं राष्ट्रीय आयुष मिशन के तत्वाधान में होने वाले क्षार सूत्र भगंदर चिकित्सा शिविर का उद्घाटन आज कन्हैया लाल चौधरी जलदाय मंत्री राजस्थान सरकार द्वारा प्रातः 9:00 बजे धन्वंतरी भगवान की पूजा अर्चना के साथ शुभ प्रारंभ किया गया ।इस अवसर पर संत कुमार जैन जिला महामंत्री भाजपा रामचंद्र गुर्जर पूर्व जिला परिषद सदस्य भरत लाल सैनी नगर पालिकाध्यक्ष टोडारायसिंह सुनील भारत भाजपा शहर अध्यक्ष मुकेश जैन पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम शर्मा ,दुर्गा प्रसाद कार्यक्रम में उपस्थित रहे। राम सहाय बैरवा उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग टोंक ने जिले में स्थापित योजनाओं की जानकारी दी एवं चिकित्सा शिविर टोडारायसिंह में 17 दिसम्बर से 26 दिसम्बर तक होने वाली गतिविधियों एवं अन्य दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओ के बारे में जानकारी दी।डॉ नरेश कुमार जोशी सहायक निदेशक आयुर्वेद विभाग टोंक ने बताया प्रातः 6:00 से 7:00 बजे प्रतिदिन योग एवं स्वस्थ जीवन शैली एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदर्शनी का शिविर स्थल पर आयोजन किया जाएगा। शिविर प्रभारी डॉक्टर लोकेंद्र गुप्ता एवं डॉक्टर प्रमोद कुमार बेरवा ने शिविर में प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सेवाओं की जानकारी दी ।उद्घाटन समारोह में डॉ सुमित प्रकाश जैन, विजय कवरिया डॉक्टर दीपशिखा डॉ मनीष डॉक्टर रेणुका डॉक्टर निष्ठा डॉक्टर भावना अरविंद खेडिया, डॉ हनुमान प्रसाद शर्मा, विराज प्रसाद शर्मा वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी हंसराज जैन राजेंद्र चोपड़ा शिविर में लगाए गए चिकित्सा अधिकारी नर्सिंग कर्मचारी एवं परिचारक योग प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

निजी जानकारी सोशल मीडिया नेटवर्क पर शेयर नहीं करें - डिवाईएसपी रवि प्रकाश शर्मा

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। राजकीय महाविद्यालय निवाई में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन विभिन्न गतिविधियों के तहत साइबर सुरक्षा विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

व्याख्यान में मुख्य वक्ता पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा रहे। उन्होंने छात्रों को साइबर अपराध के प्रति सचेत रहने के लिए कहा। उन्होंने अपनी किसी भी निजी जानकारी को सोशल मीडिया नेटवर्क पर शेयर न करने की सलाह भी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा के लिए संचार साथी ऐप को बढ़ावा दिया है। इसी प्रकार उन्होंने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग हेल्प नंबर 1930 के बारे में भी अवगत कराया।

'आग्रह: केन्द्र सरकार बाढ़ पीड़ितों तक शीघ्र और प्रभावी सहायता पहुंचाने के लिए त्वरित निर्णय ले'

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर/नई दिल्ली (राकेश शर्मा)। टोंक-सवाई माधोपुर संसदीय क्षेत्र में गत मानसून के दौरान आई भीषण बाढ़ से हुए व्यापक नुकसान का मुद्दा मंगलवार को लोकसभा में पूरे गंभीर स्वर में उठा। क्षेत्रीय सांसद हरीश चन्द्र मीना ने नियम 377 के तहत यह विषय सदन में रखते हुए केन्द्र सरकार का ध्यान उस त्रासदी की ओर आकृष्ट किया, जिसने हजारों परिवारों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सांसद मीना ने सदन को अवगत कराया कि पिछले मानसून में हुई अत्यधिक वर्षा ने टोंक एवं सवाई माधोपुर जिलों में अभूतपूर्व तबाही मचाई। बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मकान ध्वस्त हो गए, किसानों की खड़ी फसलें बह गईं और संपर्क मार्गों को जोडने वाली पुल-पुलियाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके साथ ही बिजली और पेयजल

जैसी बुनियादी सुविधाएं लंबे समय तक बाधित रहीं, जिससे आमजन का दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

उन्होंने बताया कि वे स्वयं बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर चुके हैं और जमीनी स्तर पर लोगों की पीड़ा को प्रत्यक्ष रूप से देखा है। आज भी अनेक परिवार पुनर्वास के इंतजार में हैं और राशन, दवाइयों तथा आजीविका के संकट से जूझ रहे हैं। प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल होने में अभी भी लंबा समय लगने की आशंका है। सांसद हरीश चन्द्र मीना ने केन्द्र सरकार से मांग की कि टोंक और सवाई माधोपुर जिलों को विशेष रूप से आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित किया जाए तथा तत्काल एक विशेष आर्थिक पैकेज जारी किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पैकेज केवल तात्कालिक राहत तक सीमित न रहे, बल्कि कृषि क्षेत्र की पुनर्बहाली, क्षतिग्रस्त सडक़ों, स्कूल भवनों और अस्पतालों के पुनर्निर्माण के साथ-साथ ग्रामीण परिवारों की आजीविका को दोबारा खड़ा करने के लिए पर्याप्त सहायता सुनिश्चित करे। अपने वक्तव्य के अंत में सांसद ने केन्द्र सरकार से आग्रह किया कि बाढ़ पीडितों तक शीघ्र और प्रभावी सहायता पहुंचाने के लिए त्वरित निर्णय लिए जाएं, ताकि टोंक एवं सवाई माधोपुर जैसे प्रभावित जिलों को फिर से विकास की पटरी पर लाया जा सके और जनता का टूटा विश्वास पुनः मजबूत हो सके।

मनरेगा का नाम परिवर्तन करने पर कांग्रेसियों ने किया विरोध प्रदर्शन

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आवाह्न पर केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा को बंद करने व नाम परिवर्तन करने के विरोध में प्रदर्शन किया गया। महावीर पार्क में आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष, बामनवास विधायक श्रीमती इंद्रा मीना, जिला प्रमुख श्रीमती सुदामा मीना, महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, पूर्व जिला महासचिव उषा झा, पूर्व पार्षद इशरत मिर्जा, सचिव सज्जन गंगवाल, सुनीता जोनवाल, सोनिका शर्मा, कंचन बैरवा आदि मोजूद रही! सभी ने केंद्र सरकार

जनता विरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की ।

आरसीए 14 प्रतियोगिता में टोंक की शानदार जीत, मोजेज का अर्धशतक और सऊद की घातक गेंदबाजी

बढ़ता राजस्थान

टोंक(पुरुषोत्तम जोशी)। आरसीए अंडर-14 प्रतियोगिता के रोमांचक मुक़ाबले में टोंक ने दौसा को कड़े संघर्ष के बाद एक विकेट से हराकर यादगार जीत दर्ज की। टोंक की जीत में मोहम्मद मोज़ेज़ की दमदार अर्धशतकीय पारी और मोहम्मद सऊद की घातक गेंदबाज़ी ने अहम भूमिका निभाई। जिला क्रिकेट संघ टोंक के सचिव इम्तियाज़ अली ख़ान ने बताया कि दौसा की टीम ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 46.3 ओवर में 10 विकेट खोकर 159 रन बनाए। टोंक की ओर से गेंदबाज़ी करते हुए मोहम्मद सऊद ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सबसे ज़्यादा 4 विकेट झटके और रक्षित परिहार ने 2 विकेट लेकर गेंदबाज़ी में बढिया साथ दिया, जबकि मोहम्मद मीरान, वेदांश पलसानिया और अनिलेश पंवार ने भी 1-1 सफलता हासिल कर दौसा की पारी को एक बड़े स्कोर तक पहुँचने से रोक दिया। 159 रनों के लक्ष्य

का पीछा करते हुए टोंक की शुरुआत थोड़ी निराशाजनक रही और टीम ने मात्र 27 रन के भीतर ही अपने 4 बोहोत अहम विकेट गंवा दिए जिसके बाद ऐसे नाज़ुक मौक़े पर क्रीज़ पर आए मोहम्मद मोज़ेज़ ने दबाव झेलते हुए ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी की। उन्होंने 8 चौकों और 3 छक्कों की मदद से सिर्फ 56 गेंदों में 66 रनों की शानदार पारी खेलकर मैच का रुख टोंक की ओर मोड़ दिया। जिसके बाद अक्षत प्रधान ने धैर्यपूर्ण और आल राउंड प्रदर्शन करते हुए 45 गेंदों पर नाबाद 33* रन बनाए और टोंक ने अंतिम ओवरों के रोमांच के बीच 1 विकेट शेष रहते 161 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। कोच बेनी प्रसाद गुर्जर ने बताया कि पूरे मैच में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मोहम्मद सऊद को मैन ऑफ़ द मैच और बेस्ट बॉलर चुना गया, जबकि निर्णायक पारी खेलने वाले मोहम्मद मोज़ेज़ को बेस्ट बैट्समैन का ख़िताब दिया गया। कोच ने खिलाडियों के जज़्बे और टीम भावना की सराहना करते हुए कहा कि इस जीत से टोंक टीम का मनोबल काफ़ी बढ़ा है और आगे आने वाले मुकाबलों में भी खिलाड़ी इसी जोश को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

नाथूज स्वीटस एण्ड रेस्टोरेन्ट का भव्य शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। त्रेहान ग्रुप द्वारा निर्मित शहर की सबसे बडी शोसायटी अपना घर शालीमार में व्यवसायिक अरबन स्कायर गलेरिया मॉल में मिराज ग्रुप द्वारा चार स्कीन का सिनेमा हॉल के संचालन के बाद बुधवार को इन्टरनेशनल ब्राण्ड नाथूज स्वीटस रेस्टोरेन्ट खुल गया है। जिसका उद्घाटन त्रेहान ग्रुप के डायरेक्टर अशोक कुमार सेनी व रेस्टोरेन्ट मालिक भव्य गुप्ता द्वारा किया गया। इस मौके पर अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। भारत के 33 शहरो मे व एक यूएसए मे खुलने के बाद अब अलवर में भी इन्टरनेशनल ब्राण्ड नाथूज स्वीटस रेस्टोरेन्ट खुल गया है। राजस्थान में ये दुसरा स्वीटस रेस्टोरेन्ट है। इससे पहले हनुमानगढ शहर में चल रहा है। आमतौर पर नाथूज में पापुलर चलने वाले ब्राण्ड छोले भटुरे, मसाला डोसा, महाराजा थाली, गोल गप्पे, रसमलाई, कलाकन्द, मोतीचूर के लड्, काजू कतली आदि ज्यादा पापुलर है। इस मॉल में अभी डॉमेनोज पिज्जा, मामा मिया पिज्जा, बेकरी शॉप, सुज शॉप, इलेक्ट्रोनिक शॉप, बच्चो के लिए झूल्ले मिक्की माउस जम्पींग जेप आदि सुचरू रूप से चालू है। जल्दी ही इस मॉल में ओर भी ब्राण्डेड शॉप व शॉरूम खुलने जा रहे है।

स्वाद की अनुपम यात्रा

विश्व मिठाई, नमकीन सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2025 में बाबा कलाकंद आएगा नजर

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। वह भव्य उत्सव जो आपके स्वाद को झंकृत कर देगा। 19, 20 एवं 21 दिसंबर 2025 को राजधानी दिल्ली के विश्व स्तरीय यशोभूमि इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एवं एक्सपो सेंटर दिल्ली में आयोजित हो रहा है विश्व मिठाई नमकीन सम्मेलन एवं प्रदर्शनी या यूं कहें कि मिठाई एवं नमकीन उद्योग का सबसे बड़ा महाकुंभ। विशेष आकर्षण स्टॉल संख्या जी-30 अलवर के बाबा ठाकुरदास एंड संस कलाकंद शॉप है जोकि अलवर के गौरव को प्रतिनिधित्व करेगीं। अलवर की विश्व प्रसिद्ध बाबा ठाकुरदास एंड संस अपना कलाकंद लेकर आ रही है। दशकों से शुद्ध दूध, पारंपरिक विधि एवं प्रेम से तैयार यह कलाकंद नरम, मलाईदार, मुंह में घुल जाने वाली जो एक बार चखी, तो बार-बार मन करेगा। साथ ही, विविध प्रकार की रसीली मिठाइयां एवं क्रंची नमकीनें जो आपके त्योहारो, उत्सवों एवं रोजमर्रा को और अधिक स्वादिष्ट बना देंगी। यह स्वाद का महोत्सव है जहां उद्योग विशेषज्ञ मिलेंगे, नए रुझान जानेंगे एवं अनगिनत स्वादों का आनंद लेंगे बाबा कलाकंद के आशीष तनेजा ने बताया कि स्टॉल जी 30 पर बाबा ठाकुरदास एंड संस का हार्दिक स्वागत आपका इंतजार कर रहा है। बाबा ठाकुरदास एंड संस कलाकंद शॉप अलवर की मूल प्रसिद्धि, अब दिल्ली में आपके सामने ये सब अलवर वासियों के प्रेम व स्नेह का प्रतीक है।

मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कार्यकर्त्ताओं की ली बैठक

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। निर्वाचन नामावालियों के प्रारूप प्रकाशन के संबंध में आज निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालय/ एसडीएम कार्यालय बानसूर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बानसूर के द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया! उक्त बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे एवं उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचन नामावालियों के प्रारूप प्रकाशन एवं इस संबंध में दावा/ आपत्तियां प्रस्तुत करने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

राजसमंद में कांग्रेस का प्रदर्शन, मनरेगा और ईडी मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ धरना, पुतला दहन

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर बुधवार को राजसमंद कलेक्ट्री परिसर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार और आरएसएस के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलने और ग्रामीणों के रोजगार के अवसर खत्म करने का आरोप लगाया।कलेक्ट्री गार्डन में आयोजित सभा को कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरि सिंह राठौड़, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष आदित्य प्रताप सिंह चौहान सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने संबोधित किया। नेताओं ने केंद्र सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करने और विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया।सभा के पश्चात कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता कलेक्ट्री परिसर से परशुराम सर्किल पहुंचे, जहां नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया गया। मीडिया से बातचीत में कार्यवाहक जिलाध्यक्ष आदित्य प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार ईडी जैसी जांच एजेंसियों का राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है, जिसे कांग्रेस किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगी।

राजसमंद क्षेत्र में रेलवे विकास को लेकर सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ की केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से शिष्टाचार भेंट

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। राजसमंद की माननीय सांसद श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ ने नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राजसमंद संसदीय क्षेत्र में रेलवे से जुड़े विकास कार्यों एवं यात्री सुविधाओं को लेकर विस्तृत और सार्थक चर्चा की गई।सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने माननीय मंत्री जी के समक्ष राजसमंद से मुंबई तक नई रेल सेवा प्रारंभ करने, क्षेत्र के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव सुनिश्चित करने तथा यात्रियों की सुविधा बढ़ाने से जुड़े विषयों को प्रमुखता से रखा।

जिला कलक्टर ने ली जिला पर्यावरण समिति सहित पंच गौरव एवं गुरू गोवलकर आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम में प्रगति की समीक्षा बैठक

आगामी वर्ष हरियालो राजस्थान अभियान के तहत 43 लाख से अधिक पौधारोपण का दिया लक्ष्य

बढ़ता राजस्थान

पंच गौरव एवं गुरू गोवलकर योजना के अनुमोदित कार्यों को समयबद्ध रूप में पूर्ण कराने के दिए निर्देश

अलवर (का.स.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिला पर्यावरण समिति सहित पंच गौरव कार्यक्रम एवं गुरु गोवलकर आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम में प्रगति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने पर्यावरण समिति की बैठक में आगामी वर्ष में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत किए जाने वाले पौधारोपण के लक्ष्यों पर विभागवार विस्तृत चर्चा कर जिले में 43 लाख से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया, जिसमें शिक्षा विभाग को 18 लाख, जिला परिषद को 7 लाख, वन विभाग को 4 लाख, पीडब्ल्यूडी, प्रदूषण नियंत्रण मंडल एवं कृषि व उद्यानिकी विभाग को 2 -2 लाख, यूआईटी एवं नगर निगम को 3 लाख, रीको को 1 लाख सहित अन्य विभागों को लक्ष्य अनुसार पौधारोपण कार्य के लिए यथासमय आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि ऐसे स्थानों को चिन्हित करें, जहां सघन पौधारोपण किया जा सके। उन्होंने उपवन संरक्षक अलवर से हरियालो राजस्थान अभियान के तहत किए गए पौधारोपण एवं उनकी सर्वाइवल स्थिति पर फीडबैक लेकर निर्देश दिये कि अभियान के तहत लगाए गए पौधों के सर्वाइवल के संबंध में प्रभावी मॉनिटरिंग करें।

पंच गौरव कार्यक्रम की समीक्षा

जिला कलक्टर ने कहा कि पंच गौरव कार्यक्रम के तहत जिले में एक जिला-एक पर्यटन स्थल के रूप में सरिस्का टाइगर रिर्जव, एक जिला-एक उपज के रूप में प्याज, एक जिला-एक खेल के रूप कुश्ती, एक जिला-एक उत्पाद के रूप में ऑटो कम्पोनेंट तथा एक जिला-एक प्रजाति के रूप में अर्जुन चयन किया गया था। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के तहत निर्धारित गाइडलाइनों को अनुसार स्वीकृत कार्यों को आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर समयबद्घ रूप से सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें। साथ ही नियमानुसार अनटाइड फण्ड का भी गतिविधियों में प्रयोग कराना सुनिश्चित करें।

गुरू गोवलकर आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम में प्रगति की समीक्षा

जिला कलक्टर ने निर्देशित किया कि गुरू गोवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना अंतर्गत चयनित रामगढ ब्लॉक के अनुमोदित कार्यों के लिए संबंधित विभाग जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को तीन दिवस में तकनीकी स्वीकृति भिजवाना सुनिश्चित करें, जिससे आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गाइडलाइन अनुसार पूर्ण किया जा सके।

आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु ग्रामीण समस्या समाधान शिविर आयोजित

जिला कलक्टर ने हमीरपुर में किया शिविर का निरीक्षण

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु जिलेभर में कार्ययोजना के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी समस्या समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जिले की बानसूर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत हमीरपुर में आयोजित ग्रामीण समाधान शिविर का निरीक्षण जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सुनिश्चित रूप से पहुंचे। उन्होंने कहा कि शिविरों में आमजन की सुविधा हेतु समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। जिला कलेक्टर ने कार्मिकों को निर्देशित किया कि वे आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनें, स्थानीय भाषा में योजनाओं की जानकारी दें तथा जिन समस्याओं का मौके पर समाधान संभव हो, उनका त्वरित निराकरण कर आमजन को तत्काल लाभान्वित करें। उन्होंने शिविर में आमजन से संवाद कर फीडबैक लिया एवं ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारी को निस्तारण के निर्देश दिए साथ ही राजस्थान संपर्क पोर्टल सहित जनसुनवाई के प्रकरणों के त्वरित और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने को कहा। इस दौरान पेंशन सत्यापन की रफ्तार धीमी होने पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारियो को फटकार लगाते हुए कार्य में गति लाने एवं सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारी को जनाधार ई केवाईसी सहित ई मित्र संबंधी कार्य सक्रियता के साथ करने को कहा. उन्हीने लापरवाही बरतने वाले अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई अमल में लाने को कहा। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी अनुराग हरित, तहसीलदार गजेंद्र राठौड़ सहित कर्मचारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

ग्रामीण अंचल में गायत्री परिवार द्वारा आयोजित

बालकों को प्रेरित करने के लिए गायत्री परिवार सैदव कटिबद्ध-डॉ.सरोज गुप्ता

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। आज के भागदौड़ और आपाधापी के युग में जहां हमारे परिवार के बालक अपने नैतिक संस्कार भूलते जा रहे हैं वहीं गायत्री परिवार द्वारा बालकों में संस्कार पैदा हों और वे देश के निमार्ण में अपना सहयोग करें इसके लिए सैदव कटिबद्ध हैं। इसी कड़ी में बुधवार को गायत्री परिवार ट्रस्ट करौली कुंड अलवर के द्वारा टेल्को चौराहे के पास स्थित ग्राम भगवानपुर में केशव आदर्श विद्या मंदिर के विद्यार्थियों एवं ग्रामीण अंचल के लोगों ने 5 कुंडिय गायत्री महायज्ञ में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन देव संस्कृति विश्वविद्यालय से एक मासिय परिवीक्षा पर आए विद्यार्थी यादेव सिंह निषादए सिद्धार्थ पटनाकर एवं अतुल कुमार पटेल जो की कंप्यूटर एवं बीएससी मैथ के विद्यार्थी हैं, ने किया। यज्ञ में विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्यए स्वस्थ शरीरए नशा मुक्त जीवन के साथ गायत्री महामंत्र के महत्व के बारे में समझाया गया ।यज्ञ के दौरान बालकों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजन गायत्री परिवार ट्रस्ट की मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी डॉक्टर सरोज गुप्ता के मार्गदर्शन में यह आयोजन हुआ। जिसमें गायत्री परिवार के वरिष्ठ परिजनों ने अपनी भागीदारी की। यज्ञ आयोजन में विद्यालय के करीब 42 बच्चों ने बच्चों ने यज्ञ में आहुतियां दी तथा अभिभावक गणों ने भी भाग लिया। बालकों को बुराई बुराइयों से बचकर रहने तथा अच्छाई से जुडने की शिक्षा दी गई । संचालन में गायत्री परिवार के वरिष्ठ परिजन दौलत राम शर्मा एवं राधा रमन विजय ने सहयोग किया।

दूत बिल्डटेच प्राईवेट लिमिटेड का

अलवर में कार्यालय का हुआ शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। शहर के नगर निगम क्षेत्र से विज्ञापन कर वसूलने वाली कार्यकारी ऐजेन्सी दूत बिल्डटेच प्राईवेट लिमिटेड़ का बुधवार को कार्यालय का शुभारंभ कैपिटल मॉल मनुमार्ग में हुआ। फिल्ड डायरेक्टर खामन चन्द्र ने इस दौरान अपने संस्थान के दायित्वों व अधिकारों के बारे में स्टाफ को बताया साथ ही उन्होनें कहा कि अलवर की जनता बहुत सहयोगी है यहां दुकानदार काफी समझदार हैं और सरकारी नियमावली को समझने वाले हैं ,हमारे कार्य करने वाले कर्मचारी भी उनका पूरा सहयोग करते हैं। शुभारंभ माध्यम टीवी के निदेशक नीरज जैन ने फीताकाट कर इसका विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार रूपक शर्मा व समाजसेवी अख्तर हुसैन मौजूद रहे।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा

पिकअप सवार 3 लोग जिंदा जले एक गंभीर रूप से घायल

बढ़ता राजस्थान

रैणी(अलवर)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तडक़े भीषण सडक़ हादसा हो गया। हादसे में पिकअप सवार तीन लोग जिंदा जल गए। वहीं, चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही रैणी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से गंभीर हालत में जयपुर रैफर कर दिया। पुलिस एएसआई मोहम्मद आमीन के अनुसार हादसा बुधवार तडक़े करीब 3 बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर चैनल नंबर 131.5 के पास हुआ। दिल्ली से जयपुर जा रही एक पिकअप दूसरे वाहन से टकरा गई, जिससे पिकअप में आग लग गई। हादसे में पिकअप में सवार तीन लोगों की जिंदा जलकर मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि तीन शव सीट पर चिपके हुए मिले। मृतकों की पहचान मोहित निवासी बहादुरगढ़ (हरियाणा), दीपेंद्र निवासी सागर (मध्यप्रदेश) और पदम निवासी सागर (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। हादसे में घायल चालक की पहचान हन्नी निवासी झज्जर (हरियाणा) के रूप में हुई है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जयपुर रैफर किया गया। मामले की सूचना मिलते ही रैणी पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को रैणी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पिकअप वाहन के नंबरों से जानकारी मिलने पर वाहन झज्जर (हरियाणा) का पाया गया, जिसके बाद पुलिस ने मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण हादसे के बाद पिकअप में आग लग गई और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। हादसा इतना जबरदस्त था कि पिकअप सवार लोगों को ?बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला। ऐसे में तीन लोगों की जिंदा जलने से मौके पर ही मौत हो गई।

अन्तर महाविद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

अनुशासित खिलाड़ी देश का भविष्य होता है : कैप्टन श्रीरामसिंह शेखावत

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़(अलवर)। अनुशासित खिलाड़ी देश का भविष्य होता है। बुधवार को अन्तर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में पद्मश्री अर्जुन अवार्ड प्राप्त कैप्टन श्रीरामसिंह शेखावत ने मुख्य अतिथि के उद्बोधन में कहा। राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर द्वारा प्रायोजित अन्तर महाविद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए उन्होंने राजगढ़ महाविद्यालय के खिलाडियों के अनुशासन एवं समर्पण की तारीफ कर उनसे खेलों में भविष्य बनाने की अपील की। साथ ही उन्होंने शिक्षा एवं खेल को व्यक्तित्व विकास का आधार बतलाया। प्राचार्य प्रो. के.एल. मीना ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए सभी आगन्तुक महानुभावों का सम्मान प्रतीक देकर स्वागत किया तथा पद्मश्री कैप्टन श्रीरामसिंह शेखावत का राजगढ़ आना और उन्हें सुनना संस्था की ऐतिहासिक उपलब्धि बतलाया। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात खेल समीक्षक, लेखक एवं बैंक अधिकारी रघुनन्दन सिंह ने कैप्टन श्रीरामसिंह शेखावत एवं खेल जगत से जुडे विभिन्न संस्मरणों का उल्लेख कर देश-विदेश की ऐतिहासिक घटनाओ का रौचक विश्लेषण प्रस्तुत किया। साथ ही उन्होंने खिलाडियों को उचित आर्थिक सहायता तथा सहयोग न मिलने की बात कह कर चिंता एवं चिंतन व्यक्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ऑब्जर्वर विश्राम मीना, शाहरूख खान तथा चंचल शर्मा के अतिरिक्त स्थानीय खेल निर्णायक शिवदयाल सैनी, रामकिशन मीना, घनश्याम मीना, चरणसिंह एवं चुन्नीलाल मीना भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा उद्घाटन कर झण्डारोहण किया गया तथा ज्योति वाहक खिलाडी का सम्मान कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। इस प्रतियोगिता में जिलेभर की तीस टीमें भाग ले रही हैं। प्रथम दिवस 20 किमी. पैदल चाल प्रतियोगिता पुरुष वर्ग में वीएसआर कॉलेज अलवर के भावेश आसीवाल ने प्रथम एवं राजगढ़ महाविद्यालय के दीपक कुमार सैनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में नारायणपुर महाविद्यालय की निशा चौधरी ने प्रथम तथा रीना सैनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 5 किमी दौड में पुरूष वर्ग में आनन्द पीजी कॉलेज कराना के राजेश मानिया ने प्रथम, राजस्थान डिग्री कॉलेज टपूकडा के सरजीत ने द्वितीय तथा राजगढ़ महाविद्यालय के प्रहलाद भीना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विंटर वंडरलैंड 2025: क्रिसमस के उल्लास संग शिक्षा का संदेश

बढ़ता राजस्थान

कोटा (श्याम गौड़)। राउंड टेबल इंडिया द्वारा आयोजित होने वाले सामाजिक-सांस्कृतिक महोत्सव 'विंटर वंडरलैंड 2025' का पोस्टर रविवार को लॉन्च किया गया। यह आयोजन 22 व 23 दिसंबर को सिटी पार्क, कोटा में होगा। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक ओरिलाइट लाइफ स्पेसेस रहेंगे। पोस्टर विमोचन अवसर पर प्रेम भाटिया, विवेक राजवंशी, एरिया चेयरमैन धर्मवीर पाण्डेय, एरिया सेक्रेटरी किंशुक जैन, चेयरमैन रोहिताब सोनी, सचिव निखिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शुभदीप शर्मा व उपाध्यक्ष मुकुल जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। चेयरमैन रोहिताब सोनी ने बताया कि आयोजन से प्राप्त समस्त धनराशि महावीर नगर गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा-कक्षों व टॉयलेट निर्माण में उपयोग की जाएगी।

मनरेगा से गांधी का नाम हटाना गरीबों के अधिकारों पर हमला - मनोज दुबे

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। भारतीय राष्ट्रीय किसान महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज दुबे ने केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा का नाम बदलकर भाजपा ने साबित कर दिया है कि उसके आदर्श गांधी नहीं गोडसे हैं। मनोज दुबे ने कहा कि मनरेगा महात्मा गांधी के ग्राम-स्वराज के सपने का साकार रूप है और करोड़ों ग्रामीण गरीबों, मजदूरों व किसानों के लिए रोजगार की कानूनी गारंटी है। कोविड काल में यह योजना गरीबों के लिए आर्थिक सुरक्षा कवच साबित हुई। घटती आमदनी और बढ़ती महंगाई के दौर में मनरेगा ही गरीबों का सहारा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार नए विधेयक के माध्यम से मनरेगा को कमजोर कर मजदूरों के अधिकार छीनना चाहती है। यह जनविरोधी, गरीब-विरोधी और संविधान-विरोधी कदम है, जिसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा।

जिला कलेक्टर ने उपखंड कार्यालय गंगधार का किया निरीक्षण

बढ़ता राजस्थान

झालावाड़ (नि.स.)। जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ ने बुधवार को उपखंड कार्यालय गंगधार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपखंड अधिकारी को निर्देश दिए कि निरीक्षण प्रतिवेदन की पालना रिपोर्ट एक माह में भिजवाया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही कार्यालय की साफ सफाई का ध्यान रखने को कहा। उन्होंने रोड़ा व एल आर एक्ट के बकाया प्रकरणों का निस्तारण शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शस्त्र अनुज्ञापत्रों का नवीनीकरण एक माह में किया जाए, उपखण्ड के समस्त अनुज्ञा पत्रों को नियत समयावधि में ऑन लाईन किया जाए, सम्पर्क समाधान के प्रकरणों का समय पर निस्तारण किया जाए। साथ ही राजस्व न्यायालय में 5 वर्ष से अधिक 108 प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त उन्होंने ग्राम पंचायत में आयोजित रात्रि चौपाल, जन सुनवाई एवं भ्रमण के दौरान आमजन की प्राप्त होने वाली परिवेदनाओं, समस्याओं एवं प्रकरणो के निस्तारण की त्वरित कार्यवाही के निर्देश भी दिए। इस दौरान उपखंड अधिकारी छत्रपाल चौधरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पुकार शिक्षा समिति द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में स्वेटर वितरण

बढ़ता राजस्थान

रावतभाटा (नि.स.)। राजस्थान की भजनलाल सरकार के सफलतापूर्वक दो वर्ष पूर्ण होने एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्मदिन के शुभ अवसर पर पुकार शिक्षा समिति द्वारा एक सराहनीय सामाजिक पहल की गई। समिति द्वारा पुकार की परवाह कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय नली एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुशलगढ़ में अध्ययनरत 110 से अधिक विद्यार्थियों को सर्दी से बचाव हेतु स्वेटर वितरित किए गए। इस अवसर पर समिति के राजकुमार वधवा, कार्यक्रम संयोजक विद्याधर दशोरा एवं सह संयोजक तन्वी शर्मा एवं अविनाश मित्तल उपस्थित रहे। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि बच्चों को सर्दी से सुरक्षित रखना और उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। समिति के अध्यक्ष राजेंद्र दशोरा ने कहा कि पुकार शिक्षा समिति समय-समय पर शिक्षा, सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों के माध्यम से समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करने का कार्य करती आ रही है। इस पहल का उद्देश्य नन्हे बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने का है ताकि सर्दी की वजह से उनकी शिक्षा प्रभावित ना हो। कार्यक्रम के दौरान समिति की डॉ तन्वी शर्मा, अविनाश मित्तल, आशुतोष शर्मा उपस्थित रहे।

वाल्मीकि सरस्वती संस्कार केंद्र रावतभाटा में संस्कार एवं शिक्षण गतिविधियाँ संपन्न

बढ़ता राजस्थान

रावतभाटा (नि.स.)। विद्या भारती शिक्षा संस्थान, कोटा द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, महूपुरा के तत्वावधान में रावतभाटा स्थित वाल्मीकि सरस्वती संस्कार केंद्र, इंदिरा कॉलोनी के दर्शन केंद्र में संस्कारात्मक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम केंद्र संचालक दीदी सुश्री मनीषा जी गोसर के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला संस्कार केंद्र प्रमुख बालकृष्ण सुमन ने भैया-बहनों को गीत एवं कविताओं का अभ्यास करवाया तथा वंदना के 19 बिंदुओं का अभ्यास भी कराया। गणित एवं हिंदी शिक्षण की दृष्टि से भैया-बहनों से गिनती, पहाड़े एवं बारहखड़ी (मात्राओं सहित) का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के दौरान 01 फरवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक होने वाले मूल्यांकन की जानकारी भी दी गई। साथ ही भैया-बहनों को तीन-चार खेल खिलाए गए तथा उन्हें अपने माता-पिता एवं गुरुजनों को प्रणाम करना, सदा सत्य बोलना, ईमानदारी व निष्ठा के साथ अपने नित्य कार्य करना जैसे संस्कारयुक्त जीवन मूल्यों की सीख दी गई। अंत में शांति मंत्र के साथ केंद्र की गतिविधियों का समापन किया गया।

मनरेगा श्रमिकों के बीच पहुंचे दिलावर, बाजरे की रोटी-पालक की साग का लिया आनंद

'बाजरे की रोटी की जीमो श्याम माखन मिश्री भूल जावेगा'...

बढ़ता राजस्थान

रामगंज मंडी/कोटा। प्रदेश के शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर बुधवार को कोटा जिले के दौरे पर रहे। अपने विधानसभा क्षेत्र रामगंज मंडी में सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सुशासन पखवाड़ा कार्यक्रमों में भाग लेने पहुंचे मंत्री का इस दौरान एक अनूठा और आत्मीय अंदाज देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान मंत्री दिलावर अचानक मनरेगा महिला श्रमिकों के बीच पहुंच गए और उनके टिफिन से भोजन करने का आग्रह किया। महिलाओं ने भी स्नेहपूर्वक उन्हें अपने बीच बैठाकर भोजन कराया।

आलू मटर की जगह आलू पालक जीमा : मंत्री ने जैसे ही टिफिन में बाजरे की रोटी के साथ आलू मटर और दूसरे में आलू पालक की साग देखी तो उन्होंने आलू पालक के साथ बाजरे की रोटी बाजरे की रोटी के साथ पालक की साग और सब्जी का स्वाद लिया। इस दौरान माहौल पूरी तरह देसी और आत्मीय हो गया। महिलाएं भोजन मनुहार के 'बाजरे की रोटी की जीमो श्याम माखन मिश्री भूल जावेगा' जैसे लोकगीत गाती रहीं, और मंत्री भोजन का आनंद लेते रहे। मंत्री दिलावर ने ठेठ हाड़ौती अंदाज में कहा, अरी बणा, मुंह तो रोटी खाबा आयो छूं री, रोटी खुआओगी के उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें गेहूं से एलर्जी है और गेहूं की रोटी खाते ही वे बीमार हो जाते हैं, इसलिए बाजरे की रोटी उन्हें अधिक प्रिय है। भोजन के बाद उन्होंने हंसते हुए कहा, घणी चौखी साग बनाई री बाई, मारी घरवाली ने भी सिखाओगी के? इसके बाद मंत्री ने महिलाओं से केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि सभी को मुफ्त गेहूं मिल रहा है या नहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना और मुफ्त शौचालय का लाभ मिला या नहीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं की गरिमा और सम्मान के लिए घर-घर शौचालय बनवा रहे हैं। मंत्री का यह सादा, देसी और संवेदनशील व्यवहार ने कार्यक्रम को आमजन का कार्यक्रम बना दिया।

मंत्री मदन दिलावर ने विकास कार्यों के लिए 36.50 लाख स्वीकृत

ग्रामीण सेवा फॉलोअप शिविर में पहुंचे

बढ़ता राजस्थान

रामगंजमंडी/कोटा(प्रमोद राठौर)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने राज्य सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों को लेकर निकाली जा रही विकास रथ यात्रा के दौरान रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में विकास कार्यों के लिए अपने विधायक कोष से कुल 36.50 लाख रुपये स्वीकृत किए। सेहरावदा गांव में राजकीय प्राथमिक विद्यालय परिसर में इंटरलॉकिंग निर्माण के लिए 4 लाख रुपये तथा विद्यालय भवन मरम्मत के लिए 1 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। जमुनिया गांव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में दो अतिरिक्त कक्षा कक्ष निर्माण हेतु 15 लाख रुपये, नयागांव खालसा में इंटरलॉकिंग सडक़ निर्माण के लिए 5 लाख रुपये, दाढ़ी मानपुर में पेयजल टंकी निर्माण के लिए ढाई लाख रुपये तथा इंटरलॉकिंग खरंजा निर्माण के लिए 10 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। मंत्री मदन दिलावर उडवा गांव में आयोजित ग्रामीण सेवा फॉलोअप शिविर में भी पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा निस्तारित प्रकरणों की समीक्षा की। शिविर में 8 ग्रामीणों को आवासीय पट्टे, 18 लोगों को धानमंत्री आवास योजना के स्वीकृति पत्र तथा एक दंपति को विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निस्तारित एवं लंबित सभी प्रकरणों का विस्तृत विवरण उनके कार्यालय को भेजा जाए।

मंत्री ने बताया कि शिविरों में जिन लाभार्थियों के काम पूरे हुए हैं, उन्हें बधाई संदेश भेजे जाएंगे, जबकि जिनके काम नहीं हो पाए हैं, उन्हें कारण सहित सूचना दी जाएगी। इस दौरान स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त राजस्थान अभियान के तहत ग्राम पंचायत ढाड़ी मानपुरा और उडवा में बर्तन बैंकों का लोकार्पण भी किया गया। मंत्री ने ग्रामीणों से अपील की कि सामाजिक आयोजनों में डिस्पोजल का उपयोग बंद कर पंचायत की बर्तन बैंक से ही बर्तन उपयोग में लें।

सुकेत नगर पालिका का बड़ा विवाद

65 साल पुराने पट्टों पर बनी दुकानों को अवैध बताकर हटाने की कार्रवाई, मामला पहुंचा न्यायालय

बढ़ता राजस्थान

रामगंजमंडी(प्रमोद राठौर)। सुकेत नगर पालिका से जुड़ा एक गंभीर और विवादित मामला सामने आया है। नगर पालिका प्रशासन द्वारा बस स्टैंड क्षेत्र में स्थित 65 वर्ष पुराने पट्टों पर बनी दुकानों को अवैध अतिक्रमण बताते हुए हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस संबंध में नगर पालिका की ओर से दुकानदारों को नोटिस जारी कर 7 दिन के भीतर अतिक्रमण हटाने एवं संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। पीडित्र दुकानदारों का कहना है कि वर्ष 1960 में तत्कालीन ग्राम पंचायत द्वारा उन्हें विधिवत रूप से पट्टा जारी किया गया था, जिसे पूर्व में नगर पालिका में भी प्रस्तुत किया जा चुका है। इसके बावजूद नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी बिना किसी मुआवजे के दुकानों को तोडने पर अड़े हुए हैं, जिससे दुकानदारों में भारी आक्रोश व्याप्त है। दुकानदारों ने आरोप लगाया है कि बस स्टैंड स्थित बॉलीबॉल ग्राउंड को किसी निजी व्यक्ति द्वारा खरीद लिया गया है और उसी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिका प्रशासन पर दबाव बनाया जा रहा है। आरोप है कि दुकानों को हटाकर सामने से रास्ता दिलाने की योजना के तहत यह कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में सुकेत नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी हेमेन्द्र सांखला ने बताया कि दुकानदारों को नियमानुसार नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में नगर पालिका के रिकॉर्ड में संबंधित दुकानों के वैध पट्टों का कोई अभिलेख उपलब्ध नहीं है। यदि दुकानदारों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज नगर पालिका के रिकॉर्ड में प्रमाणित पाए जाते हैं, तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। रिकॉर्ड उपलब्ध न होने के कारण ही नोटिस जारी किए गए हैं।

बजट का समयबद्ध उपयोग हो और प्रस्तावों में लाएं तेजी : कलक्टर

बढ़ता राजस्थान

बूंदी,(नि.स.)। जिले की विशिष्ट पहचान को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के उद्देश्य से संचालित पंच गौरव कार्यक्रम की समीक्षा के लिए बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने की। बैठक में जिला कलक्टर ने कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन और आवंटित बजट के पारदर्शी उपयोग को लेकर निर्देश दिए। उन्?होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पंच गौरव कार्यक्रम के तहत स्वीकृत बजट को निर्धारित मदों में ही व्यय किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य पूर्णतः नियमानुसार और तय समय सीमा के भीतर संपादित होने चाहिए, ताकि जिले की विशिष्ट पहचान से जुड़ी परियोजनाओं का लाभ आमजन को समय पर मिल सकें। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता से समझौता न करने की भी हिदायत दी। बैठक के दौरान जिला सांख्यिकी कार्यालय के प्रभारी सदस्य सचिव विकास सिंह हाड़ा ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने आग्रह किया कि चालू वित्तीय वर्ष के लंबित कार्यों के क्रियान्वयन प्रस्ताव और आगामी वर्ष की कार्ययोजना के प्रस्ताव अविलंब तैयार किए जाएं। हाड़ा ने जोर दिया कि इन प्रस्तावों को शीघ्र ही अनुमोदन के लिए उच्च स्तर पर भिजवाया जाए ताकि विकास की निरंतरता बनी रहें।

'गौवंश संरक्षण के लिए सख्त कानून बनाए सरकार'

बढ़ता राजस्थान

कोटा, (विनोद गौड़)। गौवंश को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देकर उसके संरक्षण-संवर्धन के लिए सख़्त क़ानून बनाए जाने की मांग को लेकर भारतीय गौ संरक्षण संवर्धन समिति के संस्थापक हिम्मत सिंह के नेतृत्व में गौ सेवकों ने बुधवार दोपहर 12 बजे अतिरिक्त जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, राज्य के मुख्यमंत्री एवं पशुपालन विभाग के नाम 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। ज्ञापन में प्रमुख मांगें शामिल हैं सरकारी गौशालाओं व पशु चिकित्सालयों में 24 घंटे डॉक्टरों की ड्यूटी, चारा-पानी व उपचार की ऑडियो-वीडियो कैमरों से निगरानी, तस्करी में पकड़े गए वाहनों की नीलामी कर राशि गौशालाओं को देना, गौ तस्करों के लिए कठोरतम दंड, गोवंश की मृत्यु के पश्चात सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार हेतु प्रत्येक जिले में निर्धारित भूमि, सडक़ों पर गौवंश छोडने वालों पर क़ानूनी कार्रवाई, हर शहर-तहसील में 24 घंटे पशु चिकित्सा एंबुलेंस की व्यवस्था तथा खेतों में गौ-बैलों का उपयोग करने वाले किसानों को सरकारी योजनाओं में विशेष लाभ देना शामिल है। इस अवसर पर कुन्हाड़ी से नरेंद्र सिंह सवेरे पैदल संकल्प लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। ज्ञापन सौंपने के दौरान समाजसेवी काजल किन्नर, गौ सेवक पवन सिंह, दास पवन महाराज, रमेश गुप्ता, मनमोहन गुप्ता, महिपाल हाड़ा, विशाल सिंह, बृजेश शर्मा, अधिवक्ता आशीष भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में गौ सेवक व विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विद्युत विभाग का 'ऑपरेशन ऊर्जा प्रहार' जारी

तालेड़ा क्षेत्र में अवैध कनेक्शनों पर चला पीला पंजा

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। जिले में विद्युत चोरी रोकने और बकाया राजस्व वसूली के लिए बूंदी विद्युत विभाग द्वारा चलाया जा रहा ऑपरेशन ऊर्जा प्रहार पूरी सख्ती के साथ निरंतर जारी है। इसी कड़ी में आज उपखंड तालेड़ा के विभिन्न ग्रामों में विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

अवैध कनेक्शनों पर बड़ी कार्रवाई

विद्युत विभाग की टीम ने तालेड़ा उपखंड के लाडपुर, सुवासा, बाजड़, बड़ूंदा, साथेली, ठिकरिया और छपावदा ग्रामों में सघन चेकिंग अभियान चलाया, विद्युत लाइनों पर डाले गए लगभग 78 अवैध आंकड़ों (तारों) को मौके से हटाया गया। बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की गई।

राजस्व वसूली और कनेक्शन विच्छेदन

बकाया राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ भी विभाग का कड़ा रुख देखने को

मिला 68 विद्युत कनेक्शन लंबे समय से बिल बकाया होने के कारण काट दिए गए।

3,38,000 की वसूली

मौके पर ही उपभोक्ताओं से बकाया राजस्व के रूप में वसूल किए गए। 11 स्थाई रूप से कटे हुए कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं से भी 35,000 की वसूली की गई।

21 दिसंबर को लोक अदालत

विद्युत विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि आगामी 21 दिसंबर, रविवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। विभाग ने अपील की है कि हैं, जिन उपभोक्ताओं के कनेक्शन बकाया राशि के कारण पूर्व में कटे हुए हैं। जिन उपभोक्ताओं पर विद्युत चोरी या सतर्कता जांच की राशि लंबित है। ऐसे सभी उपभोक्ता लोक अदालत कैंप में पहुंचकर नियमानुसार उचित छूट का लाभ उठाते हुए अपने मामलों का निस्तारण करवा सकते हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि लोक अदालत के बाद बकायादारों के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा। टीम में सहायक अभियंता ललित गुप्ता, कनिष्ठ अभियंता हरीश गुप्ता, इंजीनियरिंग सुपरवाइजर अनवर , तकनीकी कर्मचारी हनुमान शैलेंद्र, बृजराज, धर्मराज, सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पेशनर समाज ने प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री के नाम विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

भवानीमंडी (अब्दुल सलीम मंसूरी)। राष्ट्रीय पेंशन दिवस पर राजस्थान पेंशनर समाज के आव्हान पर तहसील शाखा पचपहाड़ भवानी मंडी के द्वारा उपखंड अधिकारी भवानी मंडी को भारत सरकार के माननीय प्रधानमंत्री व माननीय वित्त मंत्री के नाम पेंशनरों के हितार्थ ज्ञापन सोंपा तहसील शाखा अध्यक्ष अध्यक्ष गिरधरगोपाल शर्मा ने बताया कि ज्ञापन मे पेंशन भोगियों को केंद्र सरकार द्वारा गठित आठवें केंद्रीय वेतन आयोग मैं पेंशनर भोगियों को वित्तीय लाभों से वंचित किए जाने पर टर्म आफ रेफरेंस (टिओ आर) पर केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया है जिसे पूर्व के वेतन आयोगो के अनुरूप आठवें वेतन आयोग में पुनर्विचार किया जाए और पेंशनरों के हितों की रक्षा पूर्व आयोगों कि तरह कि जाए साथ ही पेंशनर्स की आयु 65 वर्ष होने पर 5त्न, 70 वर्ष पर 10त्न एवं 75 वर्ष पर 15त्न कि अतिरिक्त पेंशन का लाभ दिया जाए और हमें उम्र के इस पड़ाव में आंदोलन करने के लिए बाध्यना होना पड़े ज्ञापन देने वालों में उपशाखा सचिव अशोक कुमार सक्सेना, मुकुट बिहारी शर्मा, अब्दुल मलिक खान, दामोदर दयाल शुक्ला, निर्मल आदित्य राजकुमार चौधरी नरेंद्र वर्मा, ईश्वर शर्मा, दिनेश शर्मा दिनेश गुप्ता, कैलाश जैन, सुरेश मालवीय, बालमुकुंद पूरणमल जैन, राधेश्याम वर्मा बकाउल्लाह खान सत्यनारायण गुप्ता दिनेश गुप्ता श्याम लाल लोहार राजकुमार राठौर इत्यादि पेंशनर उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी का पुतला फूंका : धौलपुर में नेशनल हेराल्ड मामले में जिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को स्थानीय गांधी पार्क में केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाकर अपना विरोध जताया। यह प्रदर्शन दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से जुड़े नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुए ताजा घटनाक्रम के बाद किया गया। कांग्रेस नेताओं ने इसे न्याय के समर्थन और लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग के विरोध में आयोजित बताया, ताकि आम जनता तक पार्टी का पक्ष स्पष्ट रूप से पहुंचाया जा सके। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस

कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं का आरोप था कि ईडी का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। पुतला दहन के माध्यम से कांग्रेस ने यह संदेश देने की कोशिश की कि वह किसी भी दबाव से डरने वाली नहीं है और सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखती रहेगी। यह कार्यक्रम प्रदेश और देशभर में दिए गए आह्वान के तहत आयोजित किया गया था। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष संजय जाटव ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी द्वारा दायर शिकायत को अदालत ने खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि अदालत ने ईडी की ओर से की गई कार्रवाई का कोई ठोस आधार नहीं माना। जाटव ने स्पष्ट किया कि यह प्रदर्शन अदालत के फैसले के समर्थन और ईडी की कार्रवाई के विरोध में किया गया।

उन्होंने कहा कि कम समय के नोटिस पर भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं का पहुंचना दर्शाता है कि कांग्रेस कार्यकर्ता अपने नेताओं के साथ मजबूती से खड़े हैं। गांधी पार्क में हुए इस प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष संजय जाटव, संगठन महासचिव धनेश जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष साकेत बिहारी, धौलपुर कांग्रेस कमेटी जिला सचिव रोशनी शिवहरे , सचिव, दुर्गा दत्त शास्त्री, प्रधान प्रतिनिधि नागेश कुशवाहा, राजकुमार तोमर और पूर्व प्रधान लाखन सिंह खिडौरा नईम खान, अनिल आरेला, सैफ शईद खान बाबुल, बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ईडी एवं अन्य संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के विरोध में प्रधानमंत्री का पुतला दहन

लोकतंत्र में निष्पक्षता एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा अत्यंत आवश्यक - रिक्की सिंह हंतरा

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। बुधवार को ईडी एवं अन्य संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के विरोध में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा भरतपुर बिजली घर चौराहे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि ईडी एवं अन्य संवैधानिक संस्थाओं का राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है। इस मौके पर राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की महासचिव रिक्की सिंह हंतरा ने कहा कि लोकतंत्र में निष्पक्षता एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा अत्यंत आवश्यक है, लेकिन वर्तमान मोदी सरकार इन संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है।

सत्य को परेशान किया जा सकता है लेकिन पराजित नहीं

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी द्वारा श्रीमती सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर लगाए गए आरोप न्यायालय की कसौटी पर टिक नहीं पाए। न्यायालय ने ईडी के दावों को स्वीकार नहीं किया और मामले को खारिज कर दिया। यह स्पष्ट करता है कि राजनीतिक दबाव में की गई कार्रवाई कानून और न्याय के सामने टिक नहीं सकती। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। रिक्की सिंह ने सरकार से इस प्रकार के दुरुपयोग को तत्काल बंद करने की मांग की .

विकास रथों का ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहा भव्य स्वागत

ग्रामीणों को ऑडियो-वीडियो एवं प्रचार साहित्य से मिल रही है जानकारी

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी देने चलाये जा रहे विकास रथ गांव-गांव में अलख जगाने का कार्य कर रहे हैं। रथों से ऑडियो-वीडियो एवं प्रदर्शनी के माध्यम से जानकारी देने के साथ योजनाओं का प्रचार साहित्य भी वितरित किया जा रहा है।

जिला कलक्टर कमर चौधरी ने बताया कि विकास रथों के माध्यम से विधानसभा क्षेत्रवार ग्राम पंचायतों प्रतिदिन एक घंटे वीडियो फिल्मों का प्रदर्शन कर आमजन को विकास कार्यों एवं योजनाओं का लाभ लेने के तरीकों के बारे में बताया जाता है। रथों में भेजी गई विकास प्रदर्शनी के स्टेण्डों का प्रदर्शन मौके पर किया जाता है, जिससे आमजन को योजनाओं की जानकारी सरल रूप से मिल सके। उन्होंने बताया कि सूचना जनसम्पर्क विभाग द्वारा तैयार कराई गई विभागवार उपलब्धियों के फोल्डर, विधानसभावार विकास कार्यों की प्रगति की विकास पुस्तिका का वितरण आम लोगों के बीच करवाया जा रहा है।

ग्रामीण कर रहें हैं स्वागत-

विकास रथों के ग्राम पंचायतों में पंहुचने पर ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया जा रहा है, महिलायें कलश लेकर रथों की अगवानी करती हैं वहीं पुरूषों द्वारा रथों के साथ आये जनप्रतिनिधियों, कार्मिकों का स्वागत करते हैं। राजीव गांधी सेवा केन्द्रों, ग्राम पंचायत के राजकीय विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों पर रथों में लगाई गई एलईडी से ऑडियो-वीडियो माध्यम से लघु फिल्मों के द्वारा विकास कार्यों व योजनाओं का प्रदर्शन किया जाता है। आम लोगों को विभागीय योजनाओं के लाभ लेने के तरीके सरकार द्वारा किये गये नवाचारों की जानकारी भी मिलती है।

रथों में सुझाव पेटिका में दे सकते है सुझाव-

आमजन रथों में लगी सुझाव पेटिका में क्षेत्र की समस्याओं अथवा व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं के बारे में अपने सुझाव दे सकते हैं। समस्याओं के निराकरण के लिए लिखित में आवेदन भी सुझाव पेटिका में रख सकते हैं।

सीएम के प्रस्तावित विजिट को लेकर प्रशासन की तैयारी

उपखण्ड अधिकारी ने ली सभी विभागों के अधिकारियो की बैठक,तैयारियों पर हुई चर्चा,

बाड़ी (राजू शर्मा)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का 19 दिसंबर को धौलपुर आ रहे हैं। ऐसे में धौलपुर के पचगांव पर आयोजित होने वाले सीएम के कार्यक्रम को लेकर धौलपुर कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने जिले के समस्त उपखंड अधिकारियों को निर्देश दिए है। ऐसे में बाड़ी उपखंड अधिकारी भगवत शरण त्यागी ने बुधवार को शहर के पंचायत समिति परिसर में उपखंड के समस्त विभागों के अधिकारियों की बैठक ले सीएम के विजिट पर तैयारियों को लेकर चर्चा की। एसडीएम भगवत शरण त्यागी ने बताया धौलपुर के सैपऊ रोड़ स्थित पचगांव में 19 दिसम्बर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एक महिला सम्मेलन समारोह को संबोधित करेंगे। जिसमें राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड़े लाभार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा। ऐसे में विभिन्न उपखंडों के लाभार्थियों को कार्यक्रम स्थल तक लाने,ले जाने के लिए समुचित व्यवस्था करने और मुख्यमंत्री के विजिट को देखते हुए पूर्व सभी व्यवस्थाओं को पूर्व सुनिश्चित करने के लिये सभी अधिकारियों को बैठक में निर्देश दिए है। जिसमें बसों का रूट चार्ट तैयार करने,चेक पोस्ट बनाने उन पर कार्मिको की नियुक्ति करने,सभी विभागों में समन्वय स्थापित करने,भोजन,पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। बैठक में उपखंड के तहसीलदार मुकेश कुमार मीणा,पीएमओ डॉ हरिकिशन मंगल,सीडीपीओ अर्पित श्रीवास्तव,शिक्षा विभाग,समाज कल्याण और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

डीग जिला राशन डीलर संघ में जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन

कोविड काल के राशन डीलरों के बकाया कमीशन का भुगतान कराने की रखी मांग

बढ़ता राजस्थान

डीग (नि.स.)। डीग जिला राशन डीलर संघ ने जिलाध्यक्ष देशराज सिनसिनी ने नेतृत्व में राशन डीलरो के एक प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को जिला कलेक्टर उत्सव कौशल को ज्ञापन देकर राशन डीलरो के कोविड काल के कमीशन का भुगतान कराने की मांग की है। जिलाध्यक्ष सिंह ने जिला कलेक्टर को बताया है कि 2019 कोविड काल में राज्य सरकार द्वारा राशन डीलरो के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों को खाद्य सामग्री का वितरण कराया था। जिसके कमीशन का भुगतान अभी तक राशन डीलरो नहीं हुआ है। जबकि खाद्य एवं आपूर्ति निगम भरतपुर द्वारा संबंधित फर्म आदर्श महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति लिमिटेड कुम्हेर को भुगतान बहुत पहले किया जा चुका है। लेकिन आज तक उक्त आपूर्ति कर्ता फर्म ने उचित मूल्य दुकानदारों को उनके कमीशन का भुगतान नहीं किया है। ज्ञापन में जिला कलेक्टर से राशन डीलरों को उक्त भुगतान दिलाने मांग करते हुए राशन डीलरों ने चेतावनी दी है यदि उन्हें भुगतान नहीं कराया गया तो मजबूर होकर आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष कुम्हेर कुंवर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष डीग रामजीत पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष कामा हरबंश, नरेश यादव रमेश जाट,नरेश,परसादी, विजय सिंह सहित अन्य राशन डीलर मौजूद थे।

विरोधियों को झूठे मुकदमे में फंसा कर उनकी छवि खराब कर रहे है - राजीव कुमार चौधरी

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर अपनी राजनीतिक रंजिश निकालने व संवैधानिक मूल्यों के हनन करने की भाजपा की नीतियों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी डीग में धरना प्रदर्शन कलेक्ट्रेट दफ्तर के पास कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजीव कुमार चौधरी की अध्यक्षता में किया गया। जिला अध्यक्ष राजीव चौधरी ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने अपने राजनीतिक कृत्य करके चुनाव में कांग्रेस पर विजय प्राप्त करने के लिए संवैधानिक संस्था ईडी का दुरुपयोग कर नेशनल हेराल्ड के झूठे मुकदमे में ईडी पर दबाव बनाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी सहित पूरे परिवार को फ्साया गया। लेकिन न्यायालय द्वारा उक्त मामले को झूठा मानते हुए राहुल गांधी व पूरे परिवार को निर्दोष पाया और ईडी को फटकार लगाई है। इस तरह उच्च पदस्थ सत्ताधारी संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं वह विरोधियों को झूठे मुकदमे में फंसा कर उनकी छवि खराब कर रहे हैं जो संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है और लोकतंत्र को खत्म करने की भाजपा की साजिश है। कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर संविधान व संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करेगी वह आमजन की स्वतंत्रता व सुरक्षा के लिए लड़ती रहेगी।

इस पर अन्य वक्ताओं में कुंवर गोवर्धन सिंह रथी वरिष्ठ अधिवक्ता पंकज भूषण गोयल जिला परिषद सदस्य मोहन सिंह अलीपुर प्रदेश सचिव सुरेश पूछ रही पूर्व अध्यक्ष कुबेर नगर पालिका महेंद्र सिंह जाटव शिव गाजिया गज्जर खान ब्लॉक अध्यक्ष को भवानी शंकर ब्लॉक अध्यक्ष नगर सुगंध सिंह श्री राम, मोहम्मद खान महावीर अशोक जीतू रामस्वरूप परीवती राजकुमार कटेरा सुख का सहित अग्रिम प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष ब्लॉक अध्यक्ष आदि शामिल थे। बाद में कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष राजीव सिंह के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाकर , नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट ऑफ्सि के सामने धरना प्रदर्शन किया।

केंद्र सरकार के वित्त विधेयक के विरोध में पेंशनर समाज ने दिया ज्ञापन

डीए और फिक्सेशन को किया जा रहा खत्म, वापस नहीं लेने पर होगा आंदोलन

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। राजस्थान पेंशनर समाज शाखा बाड़ी द्वारा बुधवार को उपखंड अधिकारी कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्र की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मार्च 2025 में लगाये गए विधेयक का विरोध किया है और इस विधेयक को पेंशनरों के लिए कुठाराघात बताया है। जिसमे पेंशनरों को मिलने वाले डीए ओर फ़िक्शेसन की समस्या के समाधान की मांग करते हुए पीएम मोदी और वित्तमंत्री के नाम ज्ञापन दिया है। राजस्थान पेंशनर समाज के बाड़ी अध्यक्ष सुरेश दीक्षित के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में आरोप लगाया है केंद्र की मोदी

सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मार्च 2025 में जो विधेयक पेश किया है उसमें पेंशनरों के हितों पर कुठारागत किया गया है। वर्तमान विधेयक में पेंशनरों के वेतनमान में फिक्सेशन और डीए के लाभ को खत्म कर दिया गया है। ऐसे में केंद्र की पेंशन के अनुसार राज्यों में भी यह लाभ पेंशनरों को नही मिलेगा। वहीं पेंशनरों को उनकी सेवानिवृत्ति पर मिलने वाली कम्युटेशन की राशि की ब्याज दरों में भी कोई कटौती नही की गई है। पेंशनर समाज के कल्याण प्रसाद शर्मा ने बताया की फिक्सेशन की उम्र पेंशनर्स के लिए 65,70,75 और 80 की जाए जो वर्तमान में 80,90 और 100 है। इस पर 5प्रतिशत अतिरिक्त डीए मिलता है। यदि पेंशनरों की समस्याओं पर केंद्र सरकार ध्यान नहीं देती है तो आगामी दिनों में प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन के दौरान पेंशनर समाज के दाऊदयाल शर्मा, अशोक पाराशर, राजवीर कटारा, सुरेंद्र परमार, वीरेंद्र परमार, फतेह सिंह, नारायण सिंह, हरिमोहन तिवारी, नीलमणि शर्मा, माता प्रसाद भारद्वाज, शशि कुलश्रेष्ठ, पुरुषोत्तम अग्रवाल, बच्चू सिंह मीणा, रामसेवक मंगल, राकेश कनुआ, सतीश अग्रवाल के साथ तमाम पेंशनर मौजूद रहे।

भाजपा ने की महिला सम्मेलन को लेकर बैठक

जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने की महिला कार्यकर्ता सम्मेलन में अधिक से अधिक महिला कार्यकर्ताओं के पहुंचने की अपील

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय भरतपुर पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा के नेतृत्व में आयोजित की गई। राजस्थान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर सरकार द्वारा किए गए ऐतिहासिक जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए धौलपुर में संभाग स्तरीय बैठक का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी तैयारियों को लेकर बैठक में रूपरेखा तैयार की गई। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में सेवा पखवाडा लोकसभा प्रभारी हमीद खान मेवाती ने कार्यकर्ताओं को राज्य सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों का उल्लेख किया। जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने धौलपुर महिला सम्मेलन में अधिक से अधिक महिला कार्यकर्ताओं के पहुंचने पर जोर दिया।

जिला मीडिया प्रभारी डॉ. वीरेन्द्र पचौरी ने बताया कि 19 दिसम्बर को धौलपुर में संभाग स्तरीय महिला कार्यकर्ता सम्मेलन को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सम्बोधित करेंगे। बैठक में नव गठित जिला कार्यकारिणी का स्वागत किया गया। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष रविन्द्र जैन, जिला उपाध्यक्ष बृजेश अग्रवाल,

श्याम सुन्दर गौड, रज्जन सिंह, जगदीश अजान, सतीश बंसल, मनीश शर्मा, प्रवेश धर्मसिंह चौधरी, गौरव सरपंच, लाखन पहलवान, जिला महामंत्री भगवान दास शर्मा, गोविन्द चौधरी, जगत गुर्जर, जिला मंत्री महावीर डागुर सुन्दर सिंह, बबली नवीन दुबे, नरेन्द्र सिंघल, अली हुसैन, जगमोहन खटाना, मुन्नी लक्ष्मण ठाकुर, रामदयाला धाकड, फूलवती नेताराम जाटव, कोशाध्यक्ष हेमन्त अग्रवाल, मीडिया प्रभारी डॉ. वीरेन्द्र पचौरी, कार्यालय प्रभारी उत्तम षर्मा, जिला प्रवक्ता दिनेश लवानियां, अनुराग तमरौली, कुलदीप पोसवाल, राहुल चौधरी, देवेन्द्र चामड, भावना गांधी, शेरसिंह धरसौनी, मंजीत गुलाटी, दीपेन्द्र गनेशिया, गिरीश भारद्वाज, संतोश खण्डेलवाल, अनिल गोयल, कृश्णा जाट, आशीश खण्डेलवाल, नरेन्द्र शर्मा, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष रमन धाकड, महिला मोर्चा जिला संयोजक कविता गोयल, मण्डल अध्यक्ष चन्द्रवीर जघीना, संजीव शर्मा, जीतू फौजदार, शिवसिंह बेवर, रवि तिवारी, शिव सिंह बेवर, वीरेन्द्र गुर्जर, धीरज पाण्डेय, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, रोहित उपाध्याय, खजान सिंह, बच्चू सिंह छावडी, राजेश सोनी, मनोहर सिंह, श्री संतोश धाकड, ब्रिजेन्द्र सिकरोंदा, मानसिंह, प्रह्लाद सिह, महेश यादव आदि उपस्थित रहे।

विभिन्न कार्यालयों एवं विभागों का कार्मिक विभाग द्वारा किया गया औचक निरीक्षण

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। मुख्य सचिव द्वारा जारी आदेशों की अनुपालना में प्रमुख शासन सचिव प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग के निर्देशानुसार वरिष्ठ शासन उप सचिव केआर मीना एवं अतिरिक्त निदेशक निरीक्षण के नेतृत्व में राज्य स्तरीय निरीक्षण दल के सदस्य शासन उप सचिव सुनील कुमार शर्मा, महेन्द्र कुमार सरावता, अनुभाग अधिकारी, कैलाश मीणा, पुष्कर राज जाटव, अनुभाग अधिकारी एवं लिपिक ग्रेड-द्वितीय सुरेन्द्र सिंह द्वारा प्रात: 9.40 बजे जिले के बाड़ी उपखण्ड में विभिन्न राजकीय कार्यालयों, विभागों का आकस्मिक भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजकीय कार्यालयों, विभागों की संधारित 14 उपस्थिति पंजिकाएं मौके पर ही जब्त की गई। कार्यालयों, विभागों के कुल 19 राजपत्रित में से 2 राजपत्रित अधिकारी अनुपस्थित पाये गये जो कि प्रतिशत की दृष्टि से 10.52 प्रतिशत है एवं कुल 121 अराजपत्रित कर्मचारियों में से 41 कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये जोकि प्रतिशत की दृष्टि से 33.88 प्रतिशत है। इस प्रकार कुल 43 अधिकारी एवं कर्मचारी

अनुपस्थित पाये गये। यह भी उल्लेखनीय है कि उपखण्ड स्थित कुछ कार्यालय, विभागों के कमरों के ताले लगे हुये पाये गये जिनकी उपस्थिति पंजिकायें जब्त नहीं की जा सकी एवं उपस्थिति पंजिकाएं निर्धारित मापदण्डानुसार संधारित नही की जा रही है, साथ ही कई

कार्यालयों में साफ-सफाई की व्यवस्थाएं सही नही पायी गयी तथा कई कार्यालयों में रिकॉर्ड अव्यस्थित पाया गया। विभागों द्वारा जारी समय-समय पर परिपत्रों की पालना सुनिश्चित नहीं की जा रही हैं। अनुपस्थित कार्मिको पर नियमानुसार सीसीए नियमों तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के लिए रिपोर्ट उच्च स्तर पर प्रस्तुत की जायेगी।

केपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता का कपासन में 25 दिसंबर को होगा शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। नगर के राजकीय महाराणा उ.मा. विद्यालय खेल मैदान पर केपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता का 25 दिसंबर अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर शुभारंभ होगा। प्रतियोगिता आयोजक मनीष बारेगामा ने बताया कि प्रतियोगिता में विधानसभा क्षेत्र कपासन की 12 टीमें भाग लेगी।जिसमे विजेता को 1 लाख व उपविजेता को 50 हजार रु. नगद पुरस्कार तथा प्रतियोगिता का शुभारंभ सांसद सीपी जोशी व विधायक अर्जुनलाल जीनगर के सानिध्य में होगा।जिसकी तैयारियों का आयोजक मंडल के सदस्य पंकज सिरोया,नंदकिशोर टेलर,अशोक विजयवर्गीय,शंभूलाल बागड़ा,भागीरथ चंदेल,महेश चाष्टा,शिवलाल माली,गोपाल पुर्बीया, विजय शर्मा द्वारा अवलोकन किया गया। नगर पालिका कपासन पार्षद सुनीता शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता शुभारंभ में नगर पालिका अध्यक्ष मंजू देवी सोनी,पूर्व प्रधान मोहब्बत सिंह राठौड़,नपा उपाध्यक्ष एजाज अली,भाजपा नगर अध्यक्ष राज विजयवर्गीय आदि अतिथि शिरकत करेंगे।

विहिप के संयोजन में 22 दिसं. को होगा राम को जानो प्रतियोगिता का आयोजन

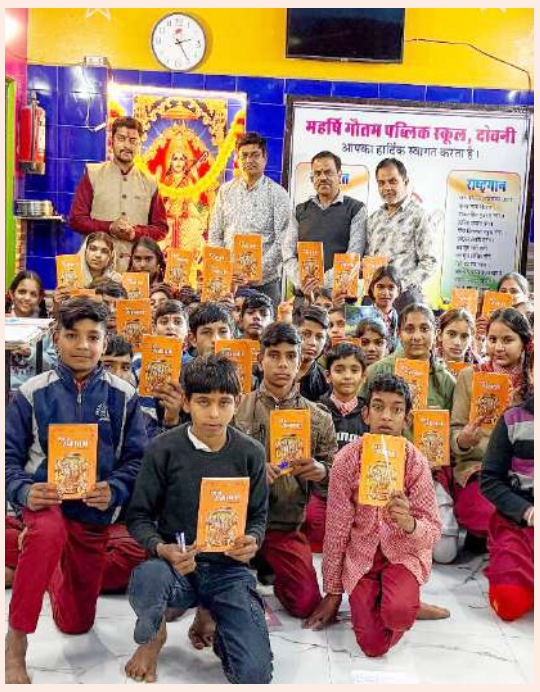

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के संयोजन में आगामी 22 दिसंबर सोमवार को राम को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। बजरंग दल जिला सहसंयोजक रोहित सिंह राजपूत ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के संयोजन में राम को जानो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आगामी 22 दिसंबर सोमवार को आयोजित की जायेगी।जिसके आयोजन को लेकर ग्राम दोवनी स्थित महर्षि गौतम ऋषि पब्लिक स्कूल आदि विद्यालयो के प्रबंधकों से संपर्क किया तथा सुबोध रामायण नामक पुस्तक का वितरण किया गया। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने एवं सहयोगी रहने वाले विद्यालयों को पुरस्कृत किया जायेगा। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष दिलीप कुमार बारेगामा,प्रखंड अध्यक्ष मुकेश जागेटिया,मंत्री गोपालकृष्ण काबरा,धीरज सिंह राजपूत,संरक्षक लाला चाष्टा,भवानीशंकर जीनगर, शांतिलाल जाट आदि गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नकदी व्यवस्था को मिले नए आयाम- ब्यावर में पहली जिला स्तरीय नकद प्रबंधन समिति की ऐतिहासिक बैठक

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। भारतीय रिजर्व बैंक के तत्वावधान में ब्यावर जिले में पहली बार जिला स्तरीय नकद प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन होटल ग्रांड गीता में किया गया। बैठक की अध्यक्षता भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी श्री आकाश गुप्ता ने की।बैठक में जाली नोटों की पहचान एवं रोकथाम, बैंकों द्वारा कटे-फटे नोटों की अदला-बदली, सिक्कों के सुचारू वितरण तथा ?10 एवं ?20 के नए नोटों के वितरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। आरबीआई अधिकारी ने जिले की समस्त बैंकों से नकदी वितरण की वर्तमान व्यवस्था की जानकारी लेते हुए आमजन को बेहतर सेवाएं देने पर जोर दिया गुप्ता ने निर्देश दिए कि सभी बैंक नियमित रूप से नए नोटों का वितरण सुनिश्चित करें तथा नोट बदलने से संबंधित भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी नियमों की पूर्ण पालना करें, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो बैठक के दौरान विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों ने नकदी प्रबंधन से जुड़ी समस्याओं को आरबीआई अधिकारी के समक्ष रखा, जिनके समाधान हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया इस अवसर पर जिला अग्रणी प्रबंधक राजेश परमार सहित जिले के समस्त बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

टिकट मशीन में नहीं, सिस्टम में है खामी ट्रांसजेंडर अधिकार और राजस्थान रोडवेज

जब पहचान मशीन में न मिले, रोडवेज की टिकट प्रणाली पर सवाल

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। पिछले दिनों राजस्थान रोडवेज की एक बस में ट्रांसजेंडर वकील और परिचालक के बीच टिकट को लेकर हुई गहमागहमी, और अंततः बस का थाने तक पहुँचना, केवल एक विवाद नहीं बल्कि प्रशासनिक संवेदनहीनता और नीतिगत शून्यता का आईना है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल यह नहीं कि बहस क्यों हुई, बल्कि यह है कि ऐसी स्थिति पैदा ही क्यों हुई ?परिचालक का कहना था कि उसकी टिकट मशीन में ट्रांसजेंडर श्रेणी का विकल्प ही नहीं है। यदि यह सच है — और अधिकांश मामलों में यही सच्चाई है तो दोष परिचालक का नहीं, बल्कि राजस्थान रोडवेज पथ परिवहन निगम की नीति और व्यवस्था का है। यह घटना किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं, बल्कि राजस्थान रोडवेज पथ परिवहन निगम की नीतिगत कमी को दर्शाती है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ट्रांसजेंडर को 'तृतीय लिंग' की संवैधानिक मान्यता दिए जाने के वर्षों बाद भी यदि राज्य परिवहन की टिकट प्रणाली में उनकी कोई अलग कैटेगरी नहीं है, तो यह व्यवस्था की संवेदनहीनता का परिचायक है महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों एवं छात्रों के लिए जहां स्पष्ट श्रेणियां और नियम बने हुए हैं, वहीं ट्रांसजेंडर नागरिकों को लेकर न तो किराए से संबंधित कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं और न ही टिकट मशीनों में उनका विकल्प। इसका खामियाजा रोजमर्रा की यात्रा में बहस, अपमान और मानसिक पीड़ा के रूप में ट्रांसजेंडर समुदाय को भुगतना पड़ता है इस पूरे घटनाक्रम में परिचालक भी नियमों और मशीन की सीमाओं से बंधा नजर आया, जबकि ट्रांसजेंडर यात्री अपने सम्मानजनक अधिकार की मांग करता रहा।

राज्य परिवहन में अदृश्य नागरिक, ट्रांसजेंडर समुदाय की अनकही पीड़ा

परिचालक बनाम ट्रांसजेंडरः असली जिम्मेदार कौन?

इस पूरे विवाद में परिचालक और ट्रांसजेंडर नागरिक को आमने-सामने खड़ा कर दिया गया, जबकि दोनों ही व्यवस्था के शिकार हैं। परिचालक नियमों और मशीन की सीमाओं में बंधा है, और ट्रांसजेंडर नागरिक अपने सम्मानजनक अस्तित्व और अधिकार के लिए संघर्ष कर रहा है। ऐसे में थाने तक बात पहुँचना सिस्टम की विफलता का प्रमाण है, न कि किसी एक व्यक्ति की गलती।

सरकार और रोडवेज की चुप्पी

यह और भी चिंताजनक है कि इस तरह की घटनाओं के बावजूद राज्य सरकार और राजस्थान रोडवेज प्रबंधन की ओर से कोई स्पष्ट नीति या निर्देश सामने नहीं आते न तो टिकट प्रणाली में सुधार,न कर्मचारियों के लिए संवेदनशीलता प्रशिक्षण, और न ही ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए स्पष्ट यात्रा नियम।

सवाल जो सिस्टम से पूछे जाने चाहिए

भारत का संविधान हर नागरिक को सम्मान, समानता और अधिकार देता है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ट्रांसजेंडर को थर्ड जेंडर के रूप में मान्यता दिए जाने के वर्षों बाद भी यदि राज्य परिवहन निगम की टिकट मशीनों में उनकी कोई कैटेगरी नहीं है, तो यह सीधे-सीधे संवैधानिक भावना का उल्लंघन है जब महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों और छात्रों के लिए अलग श्रेणियां हैं,तो ट्रांसजेंडर नागरिकों के लिए क्यों नहीं?

कोटडी पंचायत समिति में ग्रामीण समस्या समाधान शिविर आयोजित, योजनाओं का लाभ व नवाचारों की सराहना

बढ़ता राजस्थान

कोटड़ी (नि.स.)। पंचायत समिति कोटडी की बड़लियास ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ग्राम पंचायत आमां, सुठेपा, गेंदलिया एवं बड़लियास के लाभार्थियों के लिए ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। शिविर प्रभारी रामबिलास मीणा ने बताया कि इस अवसर पर भामाशाहों द्वारा कुल 175 किलो शक्कर दान देने की घोषणा की गई। इसमें प्रकाशचंद्र रैगर एवं गोपालकृष्ण पोखरना द्वारा 51-51 किलो शक्कर तथा महाराजा दिलीप सिंह द्वारा 25 किलो शक्कर दान की गई। शिविर प्रभारी द्वारा मौके पर ही 11 किलो शक्कर एवं 5 किलो गुड़ का वितरण किया गया। शिविर में 7 महिलाओं द्वारा निःशुल्क प्लास्टिक न देने की घोषणा की गई, जिसे एक सराहनीय एवं नवाचारी पहल माना गया। इसके साथ ही 21 बालिकाओं को पेन, पेंसिल एवं पुस्तिकाओं का वितरण किया गया तथा उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का दायित्व सौंपा गया। विकास अधिकारी रामबिलास मीणा ने मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना की जानकारी देते हुए पात्र लोगों को योजना से जोडने का आह्वान किया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया तथा ब्लॉक कोटडी को 26 जनवरी 2026 तक प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए सकारात्मक कदम उठाने का निर्णय लिया गया। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर उपलब्धियों की जानकारी दी गई, जिस पर ग्रामीणों एवं लाभार्थियों ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर के दौरान मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना के तहत लगभग 100 आवेदन भरवाए गए,

केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ चित्तौड़ भाजपा कार्यालय ओछडी के सामने विरोध प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री का पुतला फूंका

बढ़ता राजस्थान

चित्तौडग़ढ़ (संजय खाबिया)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा-निर्देशों के तहत जिला कांग्रेस कमेटी, चित्तौडग़ढ़ द्वारा जिला अध्यक्ष प्रमोद सिसोदिया के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन चित्तौडग़ढ़ स्थित भाजपा कार्यालय ओछड़ी के सामने आयोजित हुआ, जहां देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया गया। जिला महामंत्री अहसान पठान ने बताया कि भाजपा सरकार लगातार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं को झूठे मामलों में फंसाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का उपयोग राजनीतिक बदले की भावना से किया जा रहा है, जिससे संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंच रही है। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष प्रमोद सिसोदिया ने कहा कि हाल ही में अदालत ने मोदी सरकार को फटकार लगाते हुए ईडी की कार्रवाई को अवैध और गैरकानूनी बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी की छवि को जानबूझकर खराब करने की कोशिश की गई, जबकि वे पूरी तरह बेदाग हैं। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस और गांधी परिवार को झूठे आरोपों में फंसाने का प्रयास किया गया, लेकिन न्यायालय ने इस मामले में संज्ञान तक नहीं लिया। इससे कांग्रेस का न्यायपालिका पर भरोसा सही साबित हुआ और मोदी सरकार की नीयत उजागर हो गई। सिसोदिया ने बताया कि अदालत ने स्पष्ट किया है कि ईडी के पास न तो कोई वैध एफआईआर थी और न ही क्षेत्राधिकार, जिससे पूरा मामला ही निराधार सिद्ध होता है। विरोध प्रदर्शन में सेवादल, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई सहित कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिले भर से सैकड़ों कांग्रेसजनों ने प्रदर्शन में भाग लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

नव उत्थान की झलक से जागरूक हुए युवा योजनाओं की जानकारी बना सशक्त आधार

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर(अनिल सिखवाल)। नव उत्थान - नई पहचान, बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान थीम पर आयोजित जिला स्तरीय प्रदर्शनी का अवलोकन करने सनातन धर्म महाविद्यालय के एनएसएस एवं एनसीसी के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रदर्शनी विद्यार्थियों के लिए राज्य सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों को समझने का सशक्त माध्यम बनी सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सतीश सोनी ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टॉल्स के माध्यम से विद्यार्थियों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों ने कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता, ऊर्जा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास सहित अनेक विभागों के अधिकारियों से सीधे संवाद कर योजनाओं एवं विकास कार्यों को जाना इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा विभागीय प्रकाशनों का वितरण भी किया गया, जिन्हें विद्यार्थियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं, सामान्य ज्ञान एवं सामाजिक जागरूकता के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। प्रदर्शनी की उपयोगिता की सराहना करते हुए विद्यार्थियों ने जन-जागरूकता के प्रसार में सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया।

विजय दिवस समारोह पर सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ को शिक्षा मंत्री द्वारा प्रशस्ति प्रमाण पत्र दिए

बढ़ता राजस्थान

चित्तौडग़ढ़ (संजय खाबिया)। विजय दिवस के पावन अवसर पर राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सैनिक स्कूल चित्तौडग़ढ़ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासनात्मक वातावरण, उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रणाली एवं राष्ट्र निर्माण में कैडेटों के योगदान की सराहना करते हुए सैनिक स्कूल चित्तौडग़ढ़ को प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि सैनिक स्कूल चित्तौडग़ढ़ ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कठोर अनुशासन और नैतिक मूल्यों के समन्वय से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आदर्श मॉडल प्रस्तुत किया है। विद्यालय द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ खेलकूद, नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास एवं सैन्य प्रशिक्षण के क्षेत्र में निरंतर श्रेष्ठ परिणाम दिए जा रहे हैं, जो अत्यंत प्रशंसनीय हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल चित्तौडग़ढ़ भारतीय सशस्त्र बलों के लिए भावी अधिकारियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विद्यालय के प्राचार्य कर्नल अनिल देव सिंह जसरोटिया के कुशल नेतृत्व में शिक्षकगण एवं समस्त स्टाफ द्वारा कैडेटों में अनुशासन, नेतृत्व, कर्तव्यनिष्ठा एवं देशप्रेम की भावना का निरंतर विकास किया जा रहा है। इस समर्पित प्रयास के कारण ही विद्यालय ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाई है। सैनिक स्कूल चित्तौडग़ढ़ की उपलब्धियां राजस्थान के अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्थान आगे भी राष्ट्र सेवा के अपने उद्देश्य को पूरी निष्ठा एवं उत्कृष्टता के साथ निभाता रहेगा। विद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी बाबूलाल शिवरान ने बताया कि शिक्षा मंत्री द्वारा प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर विद्यालय के प्राचार्य कर्नल अनिल देव सिंह जसरोटिया, उप प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल पारुल श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी मेजर सी श्रीकुमार, शिक्षकगण एवं समस्त स्टाफ में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है। प्राचार्य ने इसे सामूहिक परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम बताया।

सिंधी भाषा की परीक्षा 11 जनवरी को, भीलवाड़ा में दो परीक्षा केंद्र निर्धारित

महामंडलेश्वर हंसराम उदासीन का मिला आशीर्वाद व मार्गदर्शन

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा,(अमित शर्मा)। राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली के तत्वावधान में तथा भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास के सहयोग से संचालित सिंधी भाषा कक्षाओं के विद्यार्थियों की परीक्षा देशभर में आगामी 11 जनवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। यह जानकारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार तीर्थाणी ने भीलवाड़ा प्रवास के दौरान दी। उन्होंने बताया कि भीलवाड़ा शहर में इस परीक्षा के लिए दो परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। तीर्थाणी ने संगठन पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ हरी शेवा उदासीन सनातन आश्रम में आयोजित बैठक में परीक्षा व्यवस्थाओं एवं संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन से आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। तीर्थाणी ने बताया कि स्वामी हंसराम उदासीन के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में प्रदेशभर में 256 शिक्षामित्रों के सहयोग से 4107 विद्यार्थी नियमित रूप से सिंधी भाषा का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि परिषद की ओर से राज्यभर में सिंधी भाषा के सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एवं एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनकी परीक्षा 11 जनवरी को आयोजित होगी। जिला प्रवक्ता पंकज आडवाणी ने बताया कि भीलवाड़ा शहर में 47 शिक्षामित्रों के माध्यम से 753 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं तथा परीक्षा व्यवस्था के लिए 8 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। भीलवाड़ा में आयोजित होने वाली परीक्षा में 574 विद्यार्थी सर्टिफिकेट कोर्स, 113 डिप्लोमा कोर्स एवं 66 विद्यार्थी एडवांस डिप्लोमा कोर्स में सम्मिलित होंगे। बैठक में संभाग प्रभारी वीरूमल पुरसवाणी, अध्यक्ष परमानंद गुरनाणी, ओम गुलाबाणी, लक्ष्मणदास लालवाणी, परमानंद तनवाणी, किशोर कृपलाणी, पंकज आडवाणी, गोपाल नानकाणी, नरेंद्र रामचंदाणी, धीरज पेसवाणी, नवीन मनवाणी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा की चारों निर्माणाधीन पुलियाएं जून 2026 तक होंगी पूर्ण : कोठारी

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा,(अमित शर्मा)। शहर के यातायात को सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी के प्रयासों से शहर की चारों निर्माणाधीन पुलियाओं का कार्य तेज गति से प्रगति पर है। इन सभी पुलियाओं को आगामी जून 2026 तक पूर्ण कर आमजन को समर्पित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विधायक अशोक कोठारी ने लंबे समय से धीमी गति से चल रहे इन महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का मुद्दा राजस्थान विधानसभा में प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने शहरवासियों को शीघ्र आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की पुरजोर वकालत की, जिसके परिणामस्वरूप अब इन परियोजनाओं में उल्लेखनीय तेजी आई है। विधायक कोठारी की सक्रियता के बाद जोधडास रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण कार्य तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है, जिसे जून 2026 के अंत तक पूर्ण कर आमजन के लिए खोल दिया जाएगा। साथ ही जोधडास हाई लेवल ब्रिज को मुख्य सडक़ से जोडने के लिए नगर विकास न्यास (यूआईटी) द्वारा आसपास की जमीनों के अधिग्रहण की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। कोठारी नदी पर केशव पोरवाल हॉस्पिटल के समीप निर्मित पुलिया का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और यह लोड टेस्टिंग में भी सफल रही है। इसकी संपर्क सडक़ों का निर्माण कार्य आगामी चार से पांच माह में पूरा होने के बाद इसे यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। वहीं, भीलवाड़ा को सांगानेर से जोडने वाले कोठारी नदी पर बने पुराने पुल की कम ऊंचाई के कारण वर्षा ऋतु में जलभराव से संपर्क कट जाता था।

चांदी ने तोड़े इतिहास के सभी रिकॉर्ड

2 लाख 6 हजार पहुंची प्रतिकिलो की कीमत, सोना 1 लाख 36,500 पर बरकरार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। सोने और चांदी की कीमत ने इतिहास के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बुधवार को चांदी प्रति किलो की कीमत 9500 रुपए बढ़कर 2 लाख 6 हजार रुपए के ऑल टाइम हाई के शिखर पर पहुंच गई है। वहीं सोने की कीमत एक लाख 36 हजार 650 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर बरकरार है। सर्राफा व्यापारियों के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी दोनों की कीमत में और तेजी आ सकती है। जयपुर सर्राफा कमेटी की और से जारी भाव के अनुसार जयपुर में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत एक लाख 36 हजार 500 रुपए पर आ गई है। 22 कैरेट प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत एक लाख 27 हजार 600 रुपए पहुंच गई है। सोना 18 कैरेट 1 लाख 6 हजार 500 रुपए प्रति दस ग्राम और 14 कैरट 84 हजार 600 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी रिफाइन की कीमत 2 लाख 6 हजार रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है।

सर्राफा व्यापारी राकेश खंडेलवाल ने बताया कि भारत में सोने और चांदी दोनों की कीमत में एक बार फिर बंपर तेजी देखने को मिल रही है। चांदी की कीमत जहां इतिहास के सभी रिकार्ड को तोड़कर 2 लाख को पार कर गई है। वहीं स्टैंडर्ड सोने की कीमत भी लगातार बढ़कर डेढ़ लाख के करीब पहुंच रही है। जिसका सीधा असर बाजार पर नजर आ रहा है। इस दौर में जहां मुनाफा कमाने के लिए लोग अपनी ज्वेलरी बेच रहे हैं वहीं नए खरीदार सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही सोने और चांदी के आभूषण खरीद रहे हैं। इसका सीधा असर बाजार पर नजर आ रहा है। खंडेलवाल ने बताया कि भारत में लगातार कीमतों में हो रहे इजाफे को देखते हुए फिलहाल बाजार में अस्थिरता बनी हुई है।

डिजिटल अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट बोला- पीड़ितों को मुआवजा मिले

केंद्र से कहा-सभी एजेंसियों के साथ बैठक करें, बुजुर्ग दंपति की शिकायत पर सुनवाई की

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट जैसे ऑनलाइन ठगी के मामलों में पीड़ितों को मुआवजा दिलाने के लिए केंद्र सरकार से ठोस कदम उठाने को कहा है। हरियाणा के बुजुर्ग दंपति की शिकायत पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने चिंता जताई कि साइबर अपराधी इस तरीके से देश से बेहद बड़ी रकम बाहर भेज रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह देखकर हैरानी होती है कि इन ठगों ने देश से कितना पैसा बाहर भेज दिया है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने बताया कि केंद्र सरकार एक इंटर-मिनिस्ट्रीयल (कई मंत्रालयों की संयुक्त) बैठक बुलाने जा रही है, जिसमें डिजिटल अरेस्ट से निपटने की रणनीति पर चर्चा होगी। इस मामले में कोर्ट की मदद के लिए नियुक्त सलाहकार वकील एन एस नप्पिनै ने सुझाव दिया कि पीड़ितों के लिए मुआवजा योजना बने। बिल्कुल वैसे ही जैसे ब्रिटेन में ऑथोराइज्ड पुश पेमेंट स्कैम के मामलों में बैंकिंग सिस्टम के जरिए पीड़ितों को अनिवार्य रिफंड दिलाया जाता है। हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति ने शिकायत की थी कि कुछ लोगों ने खुद को पुलिस और कोर्ट से जुड़ा दिखाकर उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया।

ऑपरेशन सिंदूर वाले बयान पर चव्हाण बोले- माफी नहीं मांगूंगा

मुंबई/नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े अपने दावे पर बुधवार को माफी मांगने से इनकार कर दिया है। चव्हाण ने कहा, मैं माफी नहीं मांगूंगाज मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा है और मेरे पास माफी मांगने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने एक दिन पहले था कि मई में पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष में भारतीय सेना को पहले दिन ही हार का सामना करना पड़ा था। इसको लेकर भाजपा कांग्रेस पर हमलावर है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा सेना का अपमान करना अब कांग्रेस की पहचान बन गया है। यह सिर्फ पृथ्वीराज चव्हाण का बयान नहीं है, बल्कि राहुल गांधी भी पहले इसी तरह के बयान दे चुके हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि किसी को भी सशस्त्र बलों के शौर्य का अपमान या उसका दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं है।

जिन्हें विकास नहीं दिख रहा वे आंख टेस्ट कराएं : भजनलाल शर्मा

आहोर में सीएम की रैली के बाहर कांग्रेस नेताओं का प्रदर्शन, हिरासत में लिया

बढ़ता राजस्थान

आहोर। सीएम भजनलाल शर्मा बुधवार को आहोर पहुंचे। जहां उन्होंने कई विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस दौरान जिसमें सड़क, कॉलेज, गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण शामिल है। वहीं सीएम के दौरे के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सीएम और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

सीएम बोले-विकास नहीं दिख रहा तो शिविर में आंखें चेक करा लें

सीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा- आप विरोध करते हैं, विरोध करना आपका काम है। मगर मैं हर रोज बोल रहा हूं, कि आपके पास आंकड़े हैं तो बताइए कि आपने कितना काम किया है और मैने कितना काम किया है। अगर आपकी दृष्टि में नहीं आ रहा है तो अब राजस्थान के स्कूलों में बच्चों के लिए आंखों के कैंप लगाए जा रहे हैं। जिसमें आंखों की जांच होगी। अगर जरूरत होगी तो चश्मा भी मिलेगा। इसलिए मैं कांग्रेस के लोगों से कहना चाहता हूं कि आपको अगर नहीं दिखाई दे रहा है तो उन शिविरों में कांग्रेस के लोग जाएं, आंखों की जांच कराएं। जरूरत हो तो उनको चश्मा भी उपलब्ध करा देवें। जिससे उन्हें दो साल का विकास तो दिख ही जाएगा। बाकी मैं आपके मन को ठीक नहीं कर सकता लेकिन आंखों की कमी का इलाज तो है।

जिला अध्यक्ष समेत कई कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिया

दोपहर 2 :30 बजे कांग्रेस कार्यकर्ता आहोर स्थित राजकीय खेल मैदान के गेट के बाहर पहुंचे। कांग्रेस कार्यकर्ता अपनी कई मांगों को लेकर सीएम को ज्ञापन देने के लिए पहुंचे। इस दौरान पुलिस कांग्रेस जिला अध्यक्ष रमिला मेघवाल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष संतोष कंवर, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सरोज चौधरी, पीसीसी सदस्य सवाराम पटेल, ऊम सिंह चांदराई, पूर्व जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल सहित कई कार्यकर्ता को हिरासत में लेकर सभा स्थल से 5 किलोमीटर दूर एक निजी होटल में रखा। आहोर से विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रहीं सरोज चौधरी ने बताया- कांग्रेस कार्यकर्ता आहोर में मूंग खरीद को लेकर हो रही परेशानी, आहोर और जालोर के लिए जवाई और माही का पानी, धीमी गति से चल रहे सड़क और पुलिया, सांचौर के फिर से जिला बनाने और रानीवाड़ा नगर पालिका को बहाल करने की मांग को लेकर सीएम को ज्ञापन देना चाहते थे।

आहोर, सांचौर और जालोर को दी सौगात

जनसभा के दौरान सीएम भजनलाल शर्मा ने आहोर को कई सौगात दीं। जिसमें उण से भैसवाड़ा, अलावा सी से पावटा, भागली पुरोहितान से आहोर, गुडा बालोतान से थांवला, अगवरी से कुआडा, छिपरवाड़ा से आहोर, चांदना से सियाणा, हरजी से सिरोही सीमा तक 17 किलोमीटर सड़क का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने आहोर और जालोर में कुल 75 .38 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी। जिसमें 2 .85 करोड़ की लागत से 33/11 सब स्टेशन हेमागुढ़ा, पीएम कुसुम योजना-सी के तहत 4 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र, राजकीय कृषि महाविद्यालय केशवना के लिए 8 .80 करोड़ रुपए के विकास कार्य और सांचौर में पिछड़े वर्ग की लड़कियों के हॉस्टल के लिए 2 .80 करोड़ रुपए की सौगात दी।

हेलीपेड पर बीजेपी नेताओं ने किया स्वागत

इससे पहले 2 बजे सीएम का हेलिकॉप्टर खेल मैदान में बने हेलीपेड पर उतरा। जहां जालोर विधायक और विधानसभा मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, आहोर विधायक छगन सिंह राजपुरोहित, पूर्व विधायक आहोर शंकर सिंह राजपुरोहित, पूर्व विधायक रानीवाड़ा नारायण सिंह देवल, जिला अध्यक्ष जसराज राजपुरोहित, पूर्व मंत्री भूपेंद्र देवासी, भीनमाल के पूर्व विधायक पूराराम चौधरी समेत कई कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया गया। सीएम एक घंटा 20 मिनट तक आहोर में रूके। इसके बाद 3 बजकर 20 मिनट पर रवाना हो गए।

सभा स्थल पर बने बाथरूम में लगी टाइल को लेकर विवाद

सीएम की सभा से पहले मैदान में स्थित एक बाथरूम को चालू कर दिया गया। इस दौरान अंदर लगी टाइल्स पर बनी दीपक की डिजाइन को लेकर हिंदू संगठनों ने आपत्ति जताई। विश्व हिन्दू परिषद कार्यकर्ता रेवत सिंह मांगलिया बताया ने बताया-हमारे कार्यकर्ताओं ने जब बाथरूम में देखा तब पता लगा। इस पर उन्होंने इस विषय में हमें सूचना दी। हमने विरोध किया। अन्य हिन्दू संगठन वहां पहुंचे और बाथरूम को बंद कराया।

कबड्डी प्लेयर का हत्यारा एनकाउंटर में ढेर

फायरिंग में 2 मुलाजिम घायल; मास्टरमाइंड दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार, 2 शूटरों की फोटो सामने आई

बढ़ता राजस्थान

मोहाली। पंजाब के मोहाली में कबड्डी प्लेयर व प्रमोटर राणा बलाचौरिया की हत्या में शामिल एक आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया है। मोहाली में लालड़ू के नजदीक अंबाला हाईवे पर शूटर हरपिंदर सिंह उर्फ मिड्डू को पुलिस ने घेरा।

पुलिस को देख उसने जिगाना पिस्टल से पुलिस पर फायरिंग कर दी। जिसमें 2 पुलिसवाले जख्मी हुए। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मरने वाले मिड्डू ने शूटरों को ग्राउंड सपोर्ट दिया था।

मिड्डू तरनतारन जिले के नौशहरा पन्नुआं का रहने वाला था। वहीं इस मामले में कत्ल के मास्टरमाइंड एशदीप सिंह को अरेस्ट कर लिया गया है। पुलिस ने उसे दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ा। उसकी पूछताछ पर अमृतसर से जुगराज सिंह को पकड़ा गया।

एनकाउंटर में मारे गए आरोपी का इनपुट भी उसी से मिला। मोहाली के स्स्कहरमनदीप हंस के मुताबिक एशदीप डोनी बल का हैंडलर और कोऑर्डिनेटर है। उसी ने मर्डर की योजना बनाई थी। कत्ल के बाद विदेश भागने के लिए वह टिकट भी बुक करवा चुका था।

वहीं इस मामले में आज सुबह ही दो शूटरों आदित्य कपूर और करण पाठक की फोटो सामने आई थी, जिन्होंने परफेक्ट प्लानिंग से बलाचौरिया का कत्ल किया था। आरोपी आदित्य कुछ ही दिन पहले जमानत पर बाहर आया था। इसके बाद उसने बलाचौरिया का मर्डर कर दिया।

खड़गे बोले- नेशनल हेराल्ड केस सिर्फ बदले के लिए

गांधी परिवार को सताया जा रहा; कोर्ट का फैसला मोदी-शाह के मुंह पर थप्पड़

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को नेशनल हेराल्ड मामले पर दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया। खड़गे ने कहा- नेशनल हेराल्ड केस सिर्फ राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है। खड़गे ने कहा- नेशनल हेराल्ड अखबार की स्थापना 1938 में स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी, लेकिन ये लोग (भाजपा) सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल करके कांग्रेस नेताओं को बदनाम कर रहे हैं। खासकर गांधी परिवार को सताया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा- इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। किसी की शिकायत मात्र से जांच शुरू कर दी। हमारा नारा है, सत्यमेव जयते। कल कोर्ट का फैसला न्याय के हित में आया है। कोर्ट का फैसला पीएम नरेंद्र मोदी और शाह के मुंह पर थप्पड़ जैसा है।

दिल्ली के कोर्ट ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। ईडी चार्जशीट में कांग्रेस नेताओं पर नेशनल हेराल्ड की प्रकाशक कंपनी एजेएल की 2,000 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जा करने का आरोप है।

सीबीआई ने सालों तक एफआईआर दर्ज नहीं की। ईडी भी लंबे समय ईसीआईआर दर्ज करने से बचती रही। फिर ईडी ने एफआईआर के बिना ईसीआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। ईडी ने प्रक्रिया उलट दी। पहले मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की और बाद में एफआईआर कराई। पीएमएलए में पहले अपराध की जांच और फिर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच होती है। ईडी को सीबीआई की तरह इंतजार करना चाहिए था। पीएमएलए विशेष कानून है, इसे सामान्य आपराधिक कानून के प्रावधानों से विस्तारित नहीं कर सकते। 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' तभी लागू होंगे, जब आपराधिक गतिविधि का कानूनी अस्तित्व हो। एफआईआर जांच प्रक्रिया की बुनियाद होती है। निजी शिकायत इस स्तर की जांच का विकल्प नहीं। निजी शिकायतकर्ता ईडी जैसी एजेंसी के साथ 'नोडल ऑफिसर' की तरह समन्वय नहीं कर सकता।

क्या है नेशनल हेराल्ड केस

बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक याचिका दाखिल करते हुए सोनिया, राहुल और कांग्रेस के ही मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे पर घाटे में चल रहे नेशनल हेराल्ड अखबार को धोखाधड़ी और पैसों की हेराफेरी के जरिए हड़पने का आरोप लगाया था। आरोप के मुताबिक, कांग्रेसी नेताओं ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जे के लिए यंग इंडियन लिमिटेड ऑर्गेनाइजेशन नाम की संस्था बनाई, जिसकी अधिकतर हिस्सेदारी गांधी परिवार के पास है। यंग इंडियन के जरिए नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करने वाली एजेएल का अवैध अधिग्रहण कर लिया। स्वामी का आरोप था कि ये सब दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग स्थित हेराल्ड हाउस की 2000 करोड़ की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया था। आरोप है.

लोकसभा में वीबी-जी राम जी बिल पर चर्चा

कृषि मंत्री शिवराज बोले- बिल में रोजगार के दिन 100 से बढ़ाकर 125 किए; परमाणु ऊर्जा बिल पास

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी बिल, 2025' पर शाम 5.40 बजे से चर्चा शुरू हुई।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विपक्ष से आग्रह है वह चर्चा के बाद उनका जवाब जरूर सुने। उन्होंने कहा कि इस बिल में गांवों में हर साल रोजगार 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन करने की गारंटी दी गई है। यह बिल गांवों को गरीबी मुक्त बनाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सदन इन बिलों पर लंबी चर्चा करेगा और जरूरत पड़ने पर रात तक कार्यवाही जारी रहेगी। इसके पहले लोकसभा ने लोकसभा में सस्टेनेबल हार्नेसिंग ऑफ एटॉमिक एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल पास कर दिया। वहीं कांग्रेस संसदीय दल कार्यालय में कांग्रेस सांसद बैठक की कांग्रेस ने अपने सांसदों को व्हिप जारी किया। इसके बाद कांग्रेस सांसदों ने संसद के बाहर वीबी-जी राम जी बिल के खिलाफ प्रदर्शन भी किया।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा बोलीं- मनरेगा का नाम बदलना महात्मा गांधी का अपमान

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने जी-राम-जी बिल पर चर्चा में कहा कि मनरेगा योजना का नाम बदलकर यह बिल महात्मा गांधी के राम राज्य के विचार को अक्षरशः और भावना दोनों में नष्ट कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा का नाम बदलकर सरकार गांधी और रवींद्रनाथ टैगोर, जिन्होंने राष्ट्रपिता को महात्मा की उपाधि दी थी, दोनों का अपमान कर रही है। इस बिल से पता चलता है कि सरकार न किसी का साथ, न किसी का विकास, न रहीम का न राम का में विश्वास करती है।

राज्यसभा में सबका बीमा सबकी रक्षा बिल पास

राज्यसभा में बुधवार शाम सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानून में संशोधन) बिल 2025 ध्वनिमत से पास कर दिया गया। यह बिल लोकसभा में मंगलवार को ही पास हो गया है। इसमें बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करने का प्रस्ताव है। लोकसभा में सस्टेनेबल हार्नेसिंग ऑफ एटॉमिक एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल विपक्ष के वॉकआउट के बीच ध्वनिमत (वॉयस वोट) से पारित कर दिया गया। इसमें परमाणु क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने का प्रावधान है।परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बिल पर चर्चा का जवाब दिया। डॉ. सिंह ने कहा कि यह बिल देश की विकास यात्रा को नई दिशा देगा।दुनिया में भारत की भूमिका बढ़ रही है। यदि हमें वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख खिलाड़ी बनना है, तो हमें वैश्विक मानकों और वैश्विक रणनीतियों का पालन करना होगा। दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। हमने भी वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य तय किया है। वहीं विपक्ष का कहना है कि इस बिल ने सिविल लाइबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट, 2010 के प्रावधानों को कमजोर कर दिया है, जिसके तहत किसी परमाणु दुर्घटना की स्थिति में परमाणु उपकरणों के आपूर्तिकर्ताओं पर भी दायित्व तय किया गया था।

राज्यसभा में निरसन और संशोधन बिल पारित-निरसन और संशोधन बिल पारित हो गया। इसमें 71 ऐसे कानून जिनकी जरुरत नहीं रह गई है उन्हें खत्म कर दिया गया है।राज्यसभा में निरसन एवं संशोधन बिल, 2025 को पेश करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि इसका उद्देश्य पुराने कानूनों को हटाना, कानून निर्माण प्रक्रिया के दौरान रह गई त्रुटियों को दूर करना और कुछ कानूनों के भेदभावपूर्ण पहलुओं को समाप्त करना है। विधेयक राज्यसभा में ध्वनि मत से पारित हो गया। इससे पहले मंगलवार को लोकसभा ने इसे मंजूरी दे दी थी।

2026 के अंत तक पूरे देश में एआई आधारित डिजिटल टोल वसूली -गडकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि 2026 के अंत तक पूरे देश में एआई आधारित डिजिटल टोल वसूली सिस्टम लागू हो जाएगा। यह 2026 के अंत तक देशभर में लग जाएगा। इसके लागू होने के बाद वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सड़क हादसों में होने वाली भारी मौतों पर चिंता व्यक्त करते हुए गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार राज्यों को आधुनिक एम्बुलेंस मुहैया कराने की योजना बना रही है, लेकिन शर्त यह है कि ये वाहन दुर्घटनास्थल पर 10 मिनट के भीतर पहुंचें।

थरूर बोले- बिल में बैकडोर खतरनाक

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि स्॥हझ्ढ बिल में एक ऐसा प्रावधान है, जिसके तहत यदि जोखिम को नगण्य माना जाए तो केंद्र सरकार किसी भी संयंत्र को लाइसेंस या दायित्व से छूट दे सकती है। उन्होंने इसे खतरनाक बताते हुए कहा कि इससे एक बैकडोर बन जाती है। थरूर ने कहा कि यह प्रावधान पूरे नियामक ढांचे को कमजोर करता है, क्योंकि इसके जरिए सरकार जब सुविधाजनक समझे, तब किसी भी सुविधा को निगरानी और जवाबदेही से बाहर रखा जा सकता है।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण
किफायती मुद्रण लागत
Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस, हमीदपुरा रोड, खण्डवा, निवाई-टोंक (राज.) से मुद्रित एवं 185/116 "प्रतीक्षा" सेक्टर-18, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर से प्रकाशित। संपादक-तनुजा पठान*, प्रबंधक संपादक-झाबर सिंह धायल (मो. 9828467603, जयपुर), प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय (मो. 9414242258, 9214048888)। फोन-0141-2796794, 2796795। ई-मेल: badhatarajasthan@yahoo.com। *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।